हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 86 जौनपुर, गुरुवार 21 दिसम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

गुलामी की मानसिकता मिटाने को तैयार है सरकार, तीन क्रिमिनल लॉ बिल पर बोले अमित शाह

एजेन्सी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि तीन आपराधिक कानूनों के स्थानों पर लाए गए विधेयक गुलामी की मानसिकता को मिटाने और औपनिवेशिक कानूनों से मुक्ति दिलाने की नरेन्द्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाते हैं। शाह ने भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक 2023 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि 'व्यक्ति की स्वतंत्रता, मानव के अधिकार और सबके साथ समान व्यवहारश रूपी तीन सिद्धांत के आध ार पर ये प्रस्तावित कानून लाए गए हैं। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कांग्रेस पर परोक्ष निशाना साध ाते हुए कहा कि 'अगर मन इटली का है तो ये कानून कभी समझ नहीं आएगा, लेकिन अगर मन यहां का है तो समझ आ जाएगा। गृह मंत्री का कहना था कि आपराधिक न्याय प्रणाली में आमूल–चूल बदलाव किया जा रहा है जो भारत की जनता का हित करने वाले हैं। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी जी ने गुलामी की

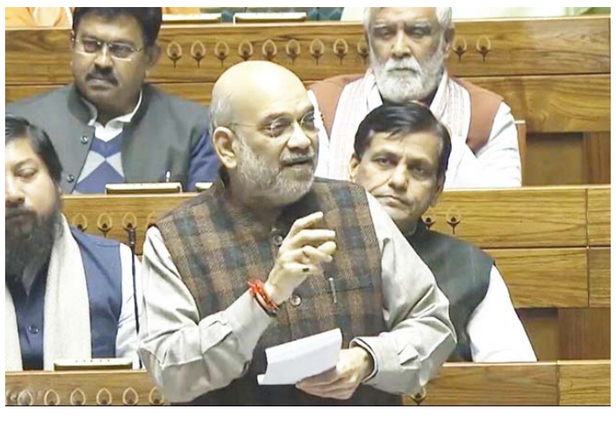

मानसिकता को मिटाने की दिशा में काम किया है...प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि औवनिवेशिक कानून से मुक्ति मिलनी चाहिए और इसी के तहत गृह मंत्रालय ने कानूनों को बदलने के बारे में काम करना आरंभ किया।श्श शाह ने कहा कि इन विधेयकों के माध्यम से सरकार ने तीनों आपराधिक कानूनों को गुलामी की मानसिकता से मुक्त कराया है। उनका कहना था, ''पहले के कानूनों के तहत ब्रिटिश राज की सलामती प्राथमिकता थी, अब मानव सुरक्षा, देश की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। शाह ने कहा, ''इस ऐतिहासिक सदन में करीब 150 साल पुराने तीन कानून, जिनसे हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली चलती है, उन तीनों कानूनों में पहली बार मोदी जी के नेतृत्व में भारतीयता, भारतीय संविधान और भारत की जनता की चिंता करने वाले बहुत आमूल–चूल परिवर्तन लेकर मैं आया हूं। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद की व्याख्या अब तक किसी भी कानून में नहीं थी। पहली बार अब मोदी सरकार आतंकवाद की व्याख्या करने जा रही है।श्श उन्होंने कहा कि सरकार राजद्रोह को देशद्रोह में बदलने जा रही है। गृह मंत्री ने सदन में कहा कि 'मॉब लिंचिंगश घृणित अपराध है और इस कानून में मॉब लिंचिंग अपराध के लिए फांसी की सजा का प्रावधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूं कि आपने भी वर्षों देश में शासन किया है, आपने मॉब लिंचिंग के खिलाफ कानून क्यों नहीं बनाया? आपने मॉब लिंचिंग शब्द का इस्तेमाल सिर्फ हमें गाली देने के लिए किया, लेकिन सत्ता में रहे तो कानून बनाना भूल गए। शाह के मुताबिक, आजादी के बाद पहली बार अपराध न्याय प्रणाली से जुड़े तीनों कानूनों का मानवीकरण होगा। गृह मंत्री शाह ने लोकसभा में यह भी कहा कि नये कानूनों में महिलाओं और बच्चों को प्रभावित करने वाले कानूनों को प्राथमिकता दी गई है, उसके बाद मानव अधिकारों से जुड़े कानूनों और देश की सुरक्षा से संबंधित कानूनों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा, '' मैंने तीनों विधेयकों को गहनता से पढ़ा है और इन्हें बनाने से पहले 158 परामर्श सत्रों में भाग लिया है। शाह ने कहा कि लंबे समय बाद देश की जनता ने एक ऐसी सरकार चुनी है जिसने अपने घोषणापत्र में किए वादों को अक्षरशः लागू किया है। उन्होंने कहा, ''हमने अनुच्छेद 370 हटाने का वादा किया था, हट गई... हमने कहा था कि राम मंदिर बनाएंगे, 22 जनवरी को वहां रामलला विराजमान होंगे...हमने कहा था कि महिलाओं को आरक्षण देंगे, हमने आरक्षण दिया...मुस्लिम माताओं–बहनों को न्याय दिलाने के लिए तीन तलाक को खत्म किया गया।

20 वर्षों से मैं भी अपमान सह रहा हूं, मिमिक्री मामले पर पीएम मोदी ने धनखड़ को फोन किया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को फोन किया और संसद परिसर में कुछ सांसदों की ओर से 'अशोभनीय आचरणश करते हुए उनका मजाक उड़ाए जाने पर गहरा दुख व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति सचिवालय की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर किए गए एक पोस्ट में धनखड़ ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का फोन आया और उन्होंने कल संसद के पवित्र परिसर में कुछ माननीय सांसदों द्वारा प्रदर्शित की गयी अपमानजनक नाटकीयता पर अत्यंत दुख व्यक्त किया। पोस्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने धनखड़ से कहा कि वह स्वयं पिछले 20 वर्षों से इस तरह का अपमान सहते आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''लेकिन देश के उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद के साथ और वह भी संसद में... ऐसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। धनखड़ ने प्रध ानमंत्री से कहा कि कुछ लोगों की 'बेतुकी हरकतें उन्हें अपना कर्तव्य निभाने और संविधान में निहित सिद्धांतों का सम्मान करने से नहीं रोक सकती हैं। उन्होंने कहा, ''मैं संवैधानिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध हूं और इस प्रकार के अपमान मुझे अपने मार्ग से विचलित नहीं कर सकते। संसद की सुरक्षा में सेंध की घटना पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर हंगामा करने पर दोनों सदनों से 90 से अधिक विपक्षी सदस्यों को निलंबित किए जाने के विरोध में विपक्ष के सांसदों ने कल मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और सदन की 'मॉक कार्यवाही का आयोजन किया था। निलंबित सांसदों ने संसद के नए भवन के मकर द्वार पर धरना दिया। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी ने राज्यसभा के सभापति और लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा, सदनों की कार्यवाही का संचालन किए जाने की नकल उतारी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, बनर्जी द्वारा कार्यवाही के संचालन की नकल उतारे जाने का मोबाइल फोन से वीडियो बनाते देखे गए।राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष की नकल उतारे जाने की घटना पर मंगलवार को गहरी आपत्ति जताते हुए इसे अस्वीकार्य करार दिया था। धनखड़ ने कहा था कि यह एक किसान और एक समुदाय का अपमान मात्र नहीं है।

ओडिशा के राज्यपाल ने लोगों की शिकायतों पर नवीन पटनायक को पत्र लिखा

एजेन्सी

भुवनेश्वर। ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को पत्र लिखकर राज्य के अंगुल और ढेंकनाल जिलों में उनकी हालिया यात्रा के दौरान लोगों द्वारा उनके ध्यान में लाई गई विभिन्न शिकायतों का समाधान करने का आग्रह किया है। दास ने अपने पत्र में कहा कि जब वह 5–7 दिसंबर की अपनी यात्रा के दौरान लोगों से मिले तो उन्होंने उनका ध्यान जमीनी स्तर की समस्याओं की ओर आकर्षित किया। दास ने लिखा, मैंने हाल ही में ढेंकनाल और अंगुल जिलों का दौरा किया। यह मेरे लिए बहुत विनम्र अनुभव था, क्योंकि मैं जमीनी स्तर पर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मिला। उनके साथ मेरी बातचीत के दौरान उन्होंने विभिन्न मुद्दों को सामने रखा, जो यहां संलग्न है। इस पर राज्य सरकार उचित कार्रवाई के लिए विचार कर सकती है। लोगों की शिकायतों में ढेंकनाल के जोरांडा में एक वृद्धाश्रम में भूमि की बंदोबस्ती और सुविधाओं की कमी, अंगुल के बनारपाल ब्लॉक में तुरंगा ग्राम पंचायत में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य जांच के लिए ममता गृह का निर्माण, गंभीर स्वास्थ्य खतरों का सामना करना शामिल है। महानदी कोल फील्ड्स लिमिटेड द्वारा खनन गतिविधियों के कारण क्षेत्र में वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण और भूजल स्तर में गिरावट के कारण अंगुल जिले के तालचेर ब्लॉक के कंधाबेरिनी गांव के निवासियों को परेशानी हो रही है। इसी तरह, दास को बताया गया कि पुनर्वास और परिधि विकास सलाहकार समिति (आरपीडीएसी) की नियमित बैठकें पिछले दो वर्षों के दौरान नहीं हो रही हैं और स्थानीय लोगों की कई वास्तविक शिकायतों का लंबे समय से समाध ान नहीं किया गया है। राज्यपाल ने सरकार से अंगुल के हाकिमपारा में बाजी राउत छत्रबास को आवश्यक सहायता प्रदान करने का भी आग्रह किया।

यूपी में 80 स्पोर्ट्स सेंटर खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने का कर रहे काम : जेपी नड्डा

एजेन्सी

बस्ती सांसद खेल महाकुंभ के शुभारंभ कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे। । इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में आयोजित होने वाले सांसद खेल महाकुंभ का उन्होंने उद्घाटन किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी समेत जिले के सभी विधायक और अन्य मंत्री मौजूद रहे। सीएम योगी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी के हाथ में जब सत्ता आई तो भारत 11 नंबर था। लेकिन आज भारत दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने जेपी नड्डा की तारीफ करते हुए कहा कि बस्ती मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर का एम्स जेपी नड्डा जी की देन है। उन्होंने

कहा कि उस समय जेपी नड्डा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री थे। उन्होंने कहा कि आज आज इंसेफेलाइटिस को हमने पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं को खेल का मंच मिल रहा है। उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी आबादी वाला प्रदेश है आज प्रदेश का युवा खेल के क्षेत्र में भी अपना भविष्य सवार रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर गांव में खेल का मैदान, जिम की स्थापना कर रही है। 65 हजार लोगों को स्पोर्ट किट उपलब्ध कराई गई। ओलंपिक में भारत सबसे ज्यादा पदक जीता है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कार्यक्रम में खिलाड़ियों से सवाल किया। उन्होंने कहा कि 70 साल पहले देश में कोई मेडल नहीं आता था लेकिन जब से देश में मोदी सरकार बनी है।

उसके बाद से हमारे खिलाड़ी गोल्ड मेडल और सिल्वर जीत रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में खिलाड़ियों का सम्मान हुआ है। खेलो इंडिया योजना के लिए सरकार ने 1000 करोड़ रुपये का बजट दिया। उन्होंने कहा कि यह पहली बार हुआ जब इंडिया ने सबसे ज्यादा मेडल लाया है। यह सिर्फ मोदी जी की नीति और नियत के वजह से हुआ है। हमारी सरकार ने खिलाड़ियों को वर्ल्ड क्लास की सुविधा दी है। आज हर गांव में खेल की सुविधा मिल रही है। यूपी 80 स्पोर्ट सेंटर बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने अब तक 500 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है।

शेयर बाजार में हाहाकार, निवेशकों के डूबे 9.32 लाख करोड़ रुपए

एजेन्सी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में बुध ावार 20 दिसंबर को भारी गिरावट आई। कमजोर ग्लोबल संकेतों के चलते सेंसेक्स 931 अंक टूट गया। कई सालों में यह पहली बार हुआ, जब सेंसेक्स के सभी 30 शेयर लाल निशान में रहे। इसके चलते बाजार में कोहराम की स्थिति मच गई और निवेशकों के एक दिन में ही करीब 9.32 लाख करोड़ रुपए डूब गए। बाजार में गिरावट चौतरफा थी। बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स तो 3: से भी ज्यादा टूटकर बंद हुए। सभी सेक्टोरल इंडेक्स भी लाल निशान में बंद हुए। सबसे अधिक गिरावट पावर, यूटिलिटी, टेलीकॉम और सर्विसेज सेक्टर के शेयरों में देखने को मिला। कारोबार के अंत में बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 930.88 अंक या 1.30: की गिरावट के साथ 70,506.31 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का 50 शेयरों का वाला सूचकांक, निफ्टी 346.70 अंक या 1.62 फीसदी टूटकर 21,106. 40 के स्तर पर बंद हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज 19 दिसंबर को घटकर 349.79 लाख करोड़ रुपए पर आ गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार 19 दिसंबर को 359.11 लाख करोड़ रुपए था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 9.32 लाख करोड़ रुपए घटा है। या दूसरे शब्दों में कहें तो निवेशकों की वेल्थ में करीब 9.32 लाख करोड़ रुपए की गिरावट आई है। शेयर बाजार में गिरावट कितनी तेज थी, इसका अंदाजा इस बात का लगाया जा सकता है कि सेंसेक्स का एक भी शेयर आज हरे निशान में नहीं रहा। सभी 30 के 30 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए हैं। इसमें भी टाटा स्टील का शेयर 4.73 फीसदी की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स रहा।

पीएम मोदी से मिलीं ममता बनर्जी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज बुध ावार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने उनसे लंबित राज्य निधि जारी करने का आग्रह किया।

संवाददाताओं से बात करते हुए तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा, तृणमूल कांग्रेस के सांसदों सहित 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने प्रध ानमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा है। राज्य के लिए केंद्र के पास लंबित 1.16 लाख करोड़ रुपये की धनराशि पर ममता बनर्जी ने कहा, श्हमने उनके सामने यह मुद्दा उठाया। मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री से राज्य को देय धनराशि जारी करने का आग्रह किया जो एक संवैधानिक अनिवार्यता है। प्रध ानमंत्री ने कहा कि इस पर केंद्र और पश्चिम बंगाल के अधिकारियों के बीच संयुक्त बैठकें होंगी। तृणमूल कांग्रेस पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल करने के संबंध में एक सवाल पर बनर्जी ने कहा, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगी।

141 सांसदों के निलंबन पर भड़की सोनिया गांधी, कहा- लोकतंत्र का गला घोंट रही मोदी सरकार

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने संसद से 141 विपक्षी सदस्यों के निलंबन को लेकर बुधवार को सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि यह सरकार लोकतंत्र का गला घोंट रही है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने यह दावा भी किया कि प्रध ानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद की सुरक्षा में चूक की श्अक्षम्य घटनाश पर संसद के बाहर अपने विचार रखे जिससे स्पष्ट है कि सदन की गरिमा की उन्हें कोई परवाह नहीं है। सोनिया गांधी ने कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में कहा, इस सरकार द्वारा लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। इससे पहले कभी भी इतने सारे विपक्षी सांसदों को सदन से निलंबित नहीं किया गया, और वह भी केवल एक, बिल्कुल उचित और वैध मांग उठाने के लिए। उन्होंने कहा कि संसद के विपक्षी सदस्यों ने 13 दिसंबर की असाधारण घटना को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में गृह मंत्री से एक बयान दिए जाने की मांग की थी। कांग्रेस की

पूर्व अध्यक्ष के मुताबिक, सरकार की ओर से विपक्ष की मांग पर जैसा अहंकारपूर्ण व्यवहार किया गया, उसका वर्णन करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं।

उन्होंने संसद की सुरक्षा में चूक का उल्लेख करते हुए कहा कि 13 दिसंबर को जो हुआ वह अक्षम्य है और उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को इस घटना पर अपने विचार व्यक्त करने में चार दिन लग गए और उन्होंने ऐसा संसद के बाहर किया। ऐसा करके उन्होंने सदन की गरिमा के प्रति अपनी उपेक्षा और हमारे देश के लोगों के प्रति अपनी उपेक्षा का स्पष्ट संकेत दिया। मैं इसकी कल्पना करना आप पर छोड़ती हूं कि अगर भाजपा आज विपक्ष में होती तो क्या प्रतिक्रिया देती। सदन में तख्तियां लहराने और नारे लगाने के आरोप में पिछले कुछ दिनों के भीतर कुल 141 सांसदों को लोकसभा और राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया है। सदन की कार्यवाही में बाध ा डालने के आरोप में मंगलवार को 49 लोकसभा सदस्यों को निलंबित कर दिया गया।

उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार से समयसीमा पूरी कर चुके वाहनों के लिए नीति के बारे में पूछा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली सरकार से कहा कि वह समयसीमा पूरी कर चुके जब्त वाहनों को उनके मालिकों को सौंपने के लिए नीति बनाने और कार्यान्वयन की स्थिति के बारे में चार सप्ताह के भीतर जानकारी दे। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने कहा कि नीति के अभाव में अदालत को हर दिन प्रभावित लोगों की याचिकाओं का सामना करना पड़ रहा है। अदालत ने कहा कि सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है, लेकिन नागरिकों को परेशान नहीं किया जा सकता। न्यायाधीश ने कहा, ''यह परेशानी भरा है। नागरिकों को परेशान न करें। हर दिन मेरे पास (ऐसी जब्ती और वाहनों को न छोड़ने पर) पांच याचिकाएं आती हैं। उच्च न्यायालय ने 15 वर्ष और 10 वर्ष से

अधिक पुराने पेट्रोल एवं डीजल वाहनों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले न्यायिक आदेशों का उल्लंघन करने के आरोप में अधिकारियों द्वारा वाहन जब्त किए जाने के खिलाफ 22 अगस्त को याचिकाओं पर सुनवाई की थी। इसने वाहन मालिकों के शपथपत्र पर वाहन छोड़ने का निर्देश देते हुए कहा था कि वे या तो उन्हें स्थायी रूप से निजी स्थानों पर खड़े करेंगे या उन्हें शहर की सीमा से हटा देंगे। उस वक्त अदालत ने दिल्ली सरकार से ऐसे वाहनों के प्रबंधन के लिए एक नीति बनाने को कहा था, जब मालिक यह आश्वासन देने को तैयार थे कि उनका उपयोग राष्ट्रीय राजधानी में नहीं किया जाएगा। दिल्ली सरकार के वकील ने बुधवार को अदालत को बताया कि नीति अंतिम चरण में है और जल्द ही यह जारी की जाएगी। अदालत ने निर्देश दिया, ''प्रतिवादी को निर्देशानुसार नीति की स्थिति के बारे में रिपोर्ट चार सप्ताह के भीतर दाखिल करनी होगी। इसने 'परिवार से विरासत में मिली 15 साल से अधिक पुरानी एक पेट्रोल कार की मालिक की अवमानना याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता सुषमा प्रसाद ने दावा किया कि उनकी कार को कबाड़ बनाने से मुक्त करने के आदेश के बावजूद अधिकारी ऐसा करने में विफल रहे।

नरेंद्र सिंह तोमर मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से नरेंद्र सिंह तोमर निर्वाचित हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तोमर के नाम का प्रस्ताव रखा और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उसका समर्थन किया।विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर गोपाल भार्गव ने अध्यक्ष पद के निर्वाचन की प्रक्रिया का जिक्र करते हुए बताया कि निर्वाचन के लिए प्रस्ताव की सात सूचना आई है। इन प्रस्तावों के प्रस्तावक सदस्य अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे और उसका समर्थन किया जाएगा। उसी के तहत आए सभी प्रस्तावों को प्रस्तुत किया गया और सर्वसम्मति से तोमर को अध्यक्ष चुना गया। भार्गव ने तोमर को अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर बधाई दी और अध्यक्ष कुर्सी पर आसीन होने के लिए आमंत्रित किया।

खड़गे का बड़ा आरोप मोदी सरकार-एकल पार्टी शासन चाहती है

एजेन्सी/नयी दिल्ली। कांग्रेस अध यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि संसद से अपनी उचित मांगों के लिए आवाज उठाने के मुद्दे पर सांसदों को निलंबित कर मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि वह निरंकुश होकर एकल पार्टी सरकार चलना चाहती हैं।

सम्पादकीय

डाटा चोर बनते युवा

इंटरनेट और डिजिटल युग में डाटा चोरी होना बहुत खतरनाक है। आज के समय में डाटा किसी हीरे–जवाहरात से कम नहीं। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से लेकर ऑनलाइन बैंकिंग तक सब कुछ हमारे डाटा से चल रहा है। डाटा चोरी होने की खबरें हमें मिलती रहती हैं। डाटा लीक तब होता है जब अनधिकृत पार्टियों के हाथ संवेदनशील और गोपनीय डाटा लग जाता है। डाटा लीक होने से लोगों और संस्थानों को वित्तीय नुक्सान हो सकता है। साइबर अपराधी धवित्तीय डिटेल का इस्तेमाल कर धोखाधड़ी से धन चुराने, खरीदारी करने या अन्य उद्देश्यों के लिए कर सकते हैं। आजकल निजी जानध्कारियां, निजी मैसेज, फोटो और वीडियो लीक हो रहे हैं। सोशल मीडिया कंपनियों पर आरोप लगते रहे हैं कि वे लोगों के व्यवहार से संबंधित डाटा इकट्ठा कर कंपनियों और राजनीतिक पार्टियों को बेचती हैं। पिछले चुनावों के दौरान कैम्ब्रिज एनालिटिका के डाटा का इस्तेमाल करने का आरोप कुछ नेताओं पर भी लगा था। भारत में इन विषयों पर गंभीर बातचीत इसलिए भी नहीं हो पाती है क्योंकि यहां का सामाजिक विज्ञान बुरी तरीके से मार्क्सवादी विचारधारा के असर में है। मार्क्सवादी स्कॉलर बिहेघ्वियर साइंस यानि व्यवहारवादी विज्ञान को नहीं मानते। हमारे यहां इतिहास और महापुरुषों के बारे में पढ़ने पर काफी जोर है। इसके उलट व्यवहारवादी विज्ञान लोगों के व्यवहार (पसंद–नापसंद) के अध्ययन से यह देखने की कोशिश करता है कि लोग जैसा सोच रहे हैं और व्यवहार कर रहे हैं, वैसा क्यों कर रहे हैं। सोशल मीडिया से लोगों के व्यवहार के बारे में मिले डेटा का इस्तेमाल कंपनियां अपना समान बेचने के प्रचार और विज्ञापनों में करती हैं और प्रोडक्ट में आवश्यक फेरबदल भी करती हैं। राजनीतिक पार्टियां इस डेटा का प्रयोग यह पता लगाने में करती हैं कि कौन सा सामाजिक समूह किस तरह का राजनीतिक व्यवहार करता है और उसे कैसे अपने पक्ष में मोड़ा जा सकता है ? अब तो भारत में डाटा चोरी करना युवाओं का खेल बन गया है। जल्दी से जल्दी या रात ही रात में धन कमाने की लालसा के चलते शिक्षित युवा भी हैकर्स बनते जा रहे हैं। इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के डाटा बैंक से 81 करोड़ भारतीयों का डाटा चोरी होने की खबरों से बवाल मचा था। भारतीय जांच एजेंसियों को करीब दो माह पहले इस डाटा के लीक होने और उसे डार्क वैब पर बेचे जाने का पता चला था। दिल्ली पुलिस ने तीन राज्यों से चार लोगों को गिरफ्तार किया है और उनसे पूछताछ के दौरान यह भी माना है कि उन्होंने अमेरिकी जांच एजेंसी फैडरल ब्यूरो ऑफ इनवैसटीगेशन और एक पड़ोसी देश के कम्प्यूटराइज्ड नेशनल आइडेंटिटी कार्ड का डाटा भी चुराया है। पकडेध् गए चार लोगों में एक ओडिशा का बी–टैक डिग्री ध्ारक युवा है। दो लोग हरियाणा से हैं जिन्होंने स्कूल की पढ़ाई छोड़ दी है और एक व्यक्ति झांसी का है। खुफिया एजैंसी को जब डार्क वैब पर आधार और पासपोर्ट के रिकार्ड्स का डाटा मिला तब उन्होंने जांच को तेज किया। पकड़े गए चारों युवा एक गेमिंग प्लेटफार्म पर मिले थे। उसके बाद यह चारों दोस्त बन गए फिर इन्होंने जल्दी पैसा कमाने के लिए डाटा चुराकर बेचने का फैसला किया। इस पूरे मामले को और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रेस्पॉन्स टीम (सीईआरटी–इन) को रिपोर्ट किया गया। ये एक नेशनल नोडल एजेंसी है जिसका काम हैकिंग और फिशिंग जैसे साइबर खतरों से निपटना है। इस एजेंसी ने डाटा की प्रामाणिकता जानने के लिए संबंधित विभागों से संपर्क साधा और उन्हें असली डाटा से मिलान करने को कहा। इन विभागों ने पाया कि करीब एक लाख लोगों का डाटा था। इसमें से 50 लोगों का डाटा लेकर उसे वैरीफाई किया गया जो कि असली निकला।" देश के कई राज्यों में कई युवाओं को डाटा चुराने के आरोप में पकड़ा गया है। आरोपियों के पास रक्षा कर्मियों, सरकारी कर्मचारियों, पैन कार्ड धारकों, छात्रों, डी मैट खाता धारकों, अमीर व्यक्तियों का डाटा और मोबाइल नंबर शामिल ध्थे। विदेशी हैकर्स ही नहीं जिस तेजी से भारत के युवा हैकर्स बन रहे हैं और तकनीक का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं, यह प्रवृत्ति कोई अच्छी नहीं है। अब सवाल यह है कि सरकार कम्पनियों पर तो नकेल कस रही है डाटा सुरक्षित रखने के उपाय भी कर रही है लेकिन आईआईटी में दक्ष युवाओं को डाटा चोरी करने से कैसे रोका जाए और सर्वर में सेंध को कैसे रोका जाए, यह बहुत जरूरी है। डाटा को सुरक्षित बनाने के लिए इसके ईको सिस्टम को सुधारना होगा और डाटा सिक्योरिटी को पुख्ता बनाना ही होगा।

आज का राशि फल

मेष :– आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाऐं आपके मकसद सफलता दिलाऐंगी। कार्य क्षेत्र में अपनें बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

बृषभ :– परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय बड़ा मूल्यवान है। अतः इसे व्यर्थ न गंवायें। किसी नए सम्वेदना का प्रभाव नए रिश्ते को जन्म देगा। अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन :– परम्पराओ व संस्कारों कें प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव एवं कुछ साथ के प्रगतिशील व्यक्तियों से ईष्या भाव ठीक नही। अस्थिर मन लक्ष्य के प्रति केन्द्रित होने मे असमर्थ होगा।

कर्क :– किसी महत्वपूर्ण कार्य वश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। आपका मिलनसारिता के कारण सम्बन्धो का बिस्तार होगा। कमजोर मनोबल के कारण लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में थोड़ी कठिनाई का अभास होगा। संवेदनशील मन पूरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओत–प्रात होगा। परिवारिक दायित्वों को समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिन्तित होगा।

कन्या :– प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। परन्तु ईरीय आस्था हर परीस्थिती पर बिजय प्राप्त करेंगे। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

तुला :– घर–परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न को व्यवसायिक अवरोध के हल ढूंढने में मन केंद्रित होगा। किसी पुराने मित्र की मध्यस्तता से बिगड़े हुए सम्बन्धो में सुधार होगा।

वृश्चिक :– मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी होगी। भौतिक चका–चौंद से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगा।

धनु :– परिजनो व मित्रों का सनिध्य से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य–पेशे में कोई अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार है। मांगलिक एव सास्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य ना करे।

मकर :– कुछ नये सम्बन्द बनेगें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद सम्भव। कर्तव्य व जिम्मेदारियों से घिरा मन अपनी कल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। किसी नई दिशा में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ :– मन को खराब विचारो से दूर रखते हुए अच्छे कायरे में केन्द्रित करें। नई स्थितियाँ आप मे नई प्रतिभाओं का संचार करेगा। कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

मीन :– अपनी वाणी पर नियंतग्रखते हुए सम्बन्धों को मधुर बनाने की चेष्टा करें। प्रतिभा व आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओ के प्रति आशान्वित करेगा। आर्थिक लाभ के आसार हैं।

लोकतंत्र का तमाशा और इंडिया की राह

हमें पहले जीतकर आना होगा, उसके बाद लोकतांत्रिक तरीके से हमारे चुने हुए सांसद तय कर लेंगे कि प्रधानमंत्री पद पर कौन बैठेगा। ये महत्वपूर्ण बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को दिया है। इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक मंगलवार 19 दिसम्बर को दिल्ली में हुई, जिसमें गठबंधन के सभी 28 दलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। भाजपा के खिलाफ बने इस विपक्षी गठबंधन की इस बार की बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण थी। मुंबई में हुई तीसरी बैठक के बाद अब जाकर हुई इस चौथी बैठक में काफी लंबा अंतराल रहा, और इस दरम्यान इंडिया गठबंधन को लेकर जितने किस्म की अफवाहें मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए फैलाई जा सकती थीं, वो सब फैलाई गईं। इन अफवाहों में दस बार इंडिया गठबंधन में टूट पड़ी, उसके नेताओं की राहें अलग हो गईं, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी और नीतीश कुमार जैसे नामों को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताते हुए यह भी कहा गया कि ये सब कांग्रेस के खिलाफ एक हो सकते हैं। इस बीच हुए विध्ानसभा चुनावों में मध्यप्रदेश में सीटों को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच हुए मतभेद को सीधे अखिलेश यादव की कांग्रेस को चुनौती के तौर पर पेश किया जाने लगा। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की हार को सीधे इंडिया की हार से जोड़ा गया और लगे हाथ ये तर्क भी दिया गया कि अब इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका कमतर हो जाएगी। अब तक कांग्रेस बड़े भाई की भूमिका में थी, लेकिन अब बाकी दल उसकी बात नहीं सुनेंगे। लेकिन

ये तमाम दावे मंगलवार को तब खोखले साबित हो गए, जब बैठक के बाद सभी दलों ने श्री खड़गे को ही प्रेस को संबोधित करने के लिए कहा। इससे पहले खबर ये भी आई कि बैठक में ममता बनर्जी ने गठबंध्न के संयोजक पद के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम को प्रस्तावित किया और अरविंद केजरीवाल ने उसका समर्थन किया। हालांकि अभी संयोजक पद के लिए किसी नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन जिन ममता बनर्जी के लिए कहा जा रहा था कि वे कांग्रेस को अग्रणी भूमिका में नहीं आने देना चाहती हैं, उन्होंने ही श्री खड़गे के नाम को आगे बढ़ाकर ये बता दिया कि आने वाले लोकसभा चुनावों में इंडिया का नेतृत्व कांग्रेस ही मुख्य रूप से करेगी। गौरतलब है कि बैठक के लिए इससे पहले दिल्ली पहुंची ममता बनर्जी ने बयान दिया था कि इंडिया के प्रधानमंत्री उम्मीदवार का फैसला 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद किया जाएगा। इस सीधे बयान को जबरदस्ती तोड़–मरोड़ कर अन्य अर्थों में पेश किया जा रहा था। जबकि सुश्री बनर्जी और श्री खड़गे एक जैसी बात ही कह रहे हैं। दरअसल इस समय देश में जो राजनैतिक माहौल बन चुका है, उसमें इंडिया गठबंधन के सभी दलों को यह स्पष्ट हो चुका है कि उनके लिए एकजुट रहना सबसे बड़ी प्राथमिकता है, बाकी सारी बातें दोयम हैं। यही बात अब देश की जनता को भी समझने की जरूरत है। देश के संसदीय इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि एक साथ 151 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया जाए। प्रधानमंत्री मोदी भारत के लिए मदर ऑफ डेमोक्रेसी की उपमा देते हैं, लेकिन आज उसी भारत में मर्डर ऑफ डेमोक्रेसी जैसा नजारा बन चुका है। लोकतंत्र तभी जिंदा कहलाएगा, जब सत्ता पक्ष के साथ संसद में विपक्ष भी मौजूद हो। जब विपक्ष को सवाल पूछने और सत्ता से जवाब मांगने पर दंडित किया जाए। जब विपक्ष की गैरमौजूदगी में बिना चर्चा के महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कर कानून बनाने का रास्ता तैयार हो जाए, तब हम कैसे दावा कर सकते हैं कि हमारे देश में लोकतंत्र जिंदा है। संसद तक पहुंचा एक–एक प्रतिनिधि कम से कम अपने संसदीय क्षेत्र के 15–20 लाख लोगों की आवाज बनता है। अब हिसाब लगा लीजिए कि 151 सांसदों को निलंबित कर एक झटके में कितने करोड़ लोगों की आवाज को मोदी सरकार ने खामोश करवा दिया। प्रधानमंत्री मोदी पिछले कुछ वक्त से मेरे देशवासियों, मित्रो या भाइयो–बहनो की जगह मेरे परिवारजनो का संबोधन जनता को देते हैं, तो उनसे पूछा जाना चाहिए कि अपने परिवार के करोड़ों लोगों की जुबान पर ताला लगवाकर आखिर कौन से परिवार धर्म का पालन किया जा रहा है। संसद का नया भवन जब उद्घाटित हुआ था तब श्री मोदी ने विपक्ष को मिलकर साथ चलने की नसीहत दी थी, रोना–धोना छोड़ने कहा था। उनके शब्दों के वास्तविक अर्थ शायद अब जाकर खुले हैं कि असल में प्रध्ानमंत्री विपक्ष को आगाह कर रहे थे कि संसद में बहस और चिंतन, सवाल और जवाब की परिपाटी पुराने भवन में ही स्मारक की तरह सजा दी गई है, नए भवन में यह सब नहीं होगा, केवल मन की बात होगी। जो कोई मन की बात सुनने से इंकार करेगा, उसे लोकतंत्र पर अच्छा लेक्चर सुनाकर बाहर कर दिया जाएगा। असल में संसद का नया भवन केवल नाम को ही संसद भवन रह गया है, इसे शायद आने वाली पीढ़ियां लोकतंत्र के मकबरे की तरह याद रखें।

अगर हम देश की धड़कनों को सुनाने वाली संसद को मकबरे में तब्दील होते नहीं देखना चाहते हैं तो फिर हर हाल में लोकतंत्र की परिपाटियों को जिंदा रखना होगा। और इसके लिए केवल कुछ दलों पर जिम्मेदारी नहीं डाली जा सकती है, बल्कि यह देश के हरेक नागरिक, हरेक संस्था, हरेक राजनैतिक दल का कर्तव्य है। लेकिन फिलहाल इंडिया गठबंधन के दल ही लोकतंत्र के लिए बेचौन नजर आ रहे हैं। क्या भाजपा के सभी नेता संसद में जो कुछ हुआ, उससे सहमत हैं। क्या बसपा, एआईएमआईएम, वाईएसआर कांग्रेस, टीडीपी, बीआरएस, बीजेडी जैसे तमाम दल अब भी लोकतंत्र का तमाशा बनते देख कर चुप रहेंगे। क्या कांग्रेस से उनकी अदावत लोकतंत्र और देश से भी बड़ी है। इन सवालों पर ईमानदारी से जवाब तलाशने होंगे, वर्ना आने वाली पीढ़ियां भारतीय लोकतंत्र को कहानियों में ही सुन पाएंगी।

लोकतंत्र के लिए खतरनाक है थोक में सांसदों का निलम्बन

डॉ. दीपक पाचपोर

सोमवार का दिन भारत के संसदीय इतिहास के सर्वाधिक काले दिनों में से एक कहा जायेगा जब लोकसभा के 78 सदस्यों को निलम्बित कर दिया गया। ये सांसद पिछले बुधवार (13 दिसम्बर) को संसद में कुछ युवकों द्वारा किये गये प्रदर्शन को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर अड़े थे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इसे सदन के कामकाज में व्यवधान मानते हुए इन्हें सत्र के लिए निलम्बित कर दिया। इसी विषय पर 14 तारीख को लोकसभा के एक तथा राज्यसभा के 13 सदस्यों को भी निलम्बित किया गया था। इस प्रकरण में अलग–अलग तरीकों से व विभिन्न नियमों का हवाला देकर कुल 151 सदस्यों को अब तक निलम्बित कर दिया गया है। थोक के भाव में सांसदों को बाहर का रास्ता दिखलाना यह दर्शाता है कि संसद को पूरी तरह से विपक्ष मुक्त बनाने का अभियान भारतीय जनता पार्टी द्वारा जो चलाया जा रहा है वह अपने चरम पर पहुंच गया है। लोकतंत्र के लिए यह बेहद खतरनाक है। किसी भी जनतांत्रिक प्रक्रिया में इसे अनुचित ही माना जायेगा क्योंकि सदन आखिर बना ही चर्चा के लिए है और विपक्ष का काम सरकार से प्रश्न पूछना ही है। सरकार का दायित्व है कि वह जवाब दे। हंगामे का जो कारण था, वह इस बात के लिए पर्याप्त आधार है कि सांसद उद्वेलित हों। जिस प्रकार से दो लोग लोकसभा की दर्शक दीर्घा से सदन में कूद पड़े थे और उनमें से एक व्यक्ति एक से दूसरी बेंच पर छलांगें लगाकर भागता रहा, उससे संसद की सुरक्षा व्यवस्था में गम्भीर खामी सामने आई थी। यह मामला सांसदों की सुरक्षा से तो जुड़ा ही है, इसकी गम्भीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह कृत्य संसद पर 22 वर्ष पहले हुए आतंकी हमले के ही दिन हुआ। विदेश में बैठे एक अलगाववादी नेता ने इसी दिन पर हमले की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद जिस तरीके से ये साधारण से दिखने वाले व्यक्ति आये, एक ने पीला धुआं फैलाया और शेष ने सदन के बाहर नारेबाजी की, सारा कुछ अपने आप में मसले की नजाकत व उसे देश की सर्वोच्च पंचायत के भीतर बहस योग्य तो बनाता ही है। फिर, इस पर अगर विपक्ष गृह मंत्री से जवाब नहीं चाहेगा तो और किससे मांग की जायेगी? जिस दिन से यह घटना हुई है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं सदन से गायब हैं। यह मामला तो ऐसा है कि उन्हें खुद ही उपस्थित होकर सदस्यों को संतुष्ट करना था। मजेदार बात तो यह है कि संसद की सुरक्षा व्यवस्था को सुधारने का आश्वासन मोदी सदन के बाहर दे रहे हैं। उन्होंने कहा है कि कमियों को दूर किया जा रहा है। यह बात उन्हें सदन के भीतर कहने से आखिर क्या गुरेज है, यह समझ से परे है। मोदी व उनकी सरकार का इतिहास ऐसा ही रहा है। 2014 और 2019 में भी बड़ी संख्या में विपक्षी दलों को निलम्बित करने के उदाहरण देश देख रहा है। एक तो वे या उनके

जिम्मेदार मंत्री सदन में जवाब नहीं देते और सदन में जब सदस्य इसकी मांग करते हैं तो उन्हें निलम्बित कर दिया जाता है। हाल ही में मणिपुर और गौतम अदाणी के मामलों में भी यही देखा गया। कांग्रेसी नेता राहुल गांधी व टीएमसी की महुआ मोइत्रा की सदस्यता छीनी गई। तरीका चाहे जो भी रहा। इस मामले में मोदी की कथनी व करनी में बड़ा अंतर नजर आता है। अभी इसी सत्र के शुरुआती अवसर पर मोदी का आग्रह था कि विपक्ष सकारात्मक रवैया अपनाये। उन्होंने कहा भी था कि प्रतिपक्ष हाल के विधानसभा चुनावों में पराजय का गुस्सा छोड़कर सदन में आये। इससे देश का उनकी ओर देखने का नजरिया भी बदलेगा। यह तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा था लेकिन मोदी ने यह भी कहा था कि विरोधी नेता सरकार की गल्तियां बताए। उन्होंने विपक्षी दलों को सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया था। उसके पहले नये संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर भी प्रधानमंत्री इसी तरह की बातें करते नजर आये थे। अब विपक्ष जब सरकार की खामियां सामने ला रहा है, तो मोदी व शाह सदन में जवाब देने से बचते फिर रहे हैं। यूं तो मोदी परस्पर संवाद के लिए हमेशा अपनी व सरकार की तैयारी बतलाते हैं परन्तु सच्चाई तो यह है कि वे जरूरी मुद्दों पर न तो सदन के भीतर चर्चा कराना चाहते हैं और न ही बाहर। सदन के अंदर जब भी उन्हें कहते सुना गया है तो वह है विपक्ष पर हमला और इतिहास में जाकर पिछले 75 वर्षों की बातें करना। किसी भी विषय पर तार्किक, तथ्यात्मक, आंकड़ों के साथ और बिन्दुवार जवाब देने की बजाये वे संवाद को अनर्गल और कटु मोड़ देते हुए ही दिखाई दिये हैं। सदन के भीतर उनकी कही बातों पर मेजें थपथपाने वाले लोगों का बहुमत है तो बाहर आयोजित होने वाली उनकी सभाओं में पार्टी कार्यकर्ता हैं, जो उनकी तथ्यहीन बातों पर श्मोदी मोदीश का शोर मचाने में माहिर हैं। सदन के भीतर की ही तरह बाहर भी वे किसी के सवालों का जवाब नहीं देते। प्रेस कांफ्रेंस वे करते नहीं और कभी–कभार वे मीडिया से कोई बात करते भी हैं तो वह एकतरफा। सवाल वे लेते नहीं।

तुर्रा यह कि इसके बाद भी वे भारत को मदर ऑफ डेमोक्रेसी या दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं। कांग्रेस मुक्त व विपक्ष मुक्त भारत का नारा देने वाले मोदी अपने विरोधियों को जिस योजनाबद्ध तरीके से खत्म कर रहे हैं, उसी के एक विस्तार कार्यक्रम की तरह संसद के दोनों सदनों से थोक के भाव में सदस्यों को निलम्बित किया जा रहा है। कहने को तो यह निलम्बन लोकसभा अध्यक्ष व राज्यसभा के सभापति का निर्णय लग सकता है परन्तु इन दोनों का जो व्यवहार देखा गया है उसके मुताबिक दोनों ने सरकार व भाजपा के अंग की तरह यह काम किया है। ये निलम्बन ऐसे वक्त पर हुए हैं जब इस सरकार का यह लगभग अंतिम सत्र है। समझा जाता है कि अगले सत्र में केवल अनुपूरक बजट ही पेश किया जायेगा क्योंकि अप्रैल में आचार संहिता लागू हो सकती है ताकि मई में लोकसभा चुनाव कराये जा सकें। ऐसे में कह सकते हैं कि सरकार का इरादा साफ है कि वह कई महत्वपूर्ण बिल संसद में बिना चर्चा के पारित कराना चाहती है। अभी ही अनेक विधेयक बगैर चर्चा के पास होकर कानून का रूप ले चुके हैं।

सरकार का उद्देश्य विरोधी सदस्यों को दोनों सदनों के बाहर ही रखना है। फिर, जैसे कि कयास लगाये जा रहे हैं, कि 22 जनवरी, 2024 को मोदी के हाथों तय किये गये राममंदिर के उद्घाटन के तुरन्त बाद लोकसभा के मध्यावधि चुनावों की घोषणा हो सकती है– इन चुनावों की तैयारी के लिए भाजपा अपने लिए विरोध–मुक्त वातावरण बनाने में जुटी है। इन तमाम परिस्थितियों को देखते हुए एकदम स्पष्ट है कि दोनों सदनों के संचालक (क्रमशरू अध्यक्ष व सभापति) सरकार के मददगार बनकर काम कर रहे हैं। वे भी नहीं चाहते कि सरकार के सामने कोई भी विपक्ष खड़ा हो जो मोदी, उनकी सरकार व पार्टी को असहज स्थिति में डाल सके। इन तरीकों से हो सकता है कि मोदी अगला चुनाव फिर से जीत जायें परन्तु ऐसे फैसले लोकतंत्र के लिये घातक हैं।

भारतीय शेयर बाजार में तेजी घरेलू और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सकारात्मक दृष्टिकोण पर आधारित

अंजन रॉय

भारतीय शेयर बाजार फिलहाल अजेय नजर आ रहा है। शेयर बाजार नयी ऊंचाइयों को छू रहा है और इसके साथ ही निवेशक मालामाल हो रहे हैं। शुक्रवार को इंट्रा–डे ट्रेडिंग में बीएसई सेंसेक्स करीब 1000 अंक बढ़ गया और एनएसई इंडेक्स करीब 300 अंक चढ़ गया है। इस तरह के उत्साहपूर्ण उछाल के बाद अनिवार्य रूप से सवाल उठता है कि क्या ऊपर की ओर रुझान कायम रहेगा या कोई प्रतिक्रिया होगी और कुछ सुधार या गिरावट होंगे? हो सकता है, नवीनतम एआई मॉडल से एक प्रकार का उत्तर देने के लिए कहा जा सकता है। लेकिन ऐसा लगता है कि एआई के जादूगर भी ऐसे सवालों से घबरा जायेंगे। वृद्धि पर समग्र प्रतिक्रियाओं को देखते हुए, कुछ बाजार विशेषज्ञों को कम से कम इतना तो लगता ही है कि महीने के अंत में सुधार हो सकता है। लेकिन यह अभी भी किसी का अनुमान नहीं है। अधिक प्रासंगिक प्रश्न यह हो सकता है कि वित्तीय बाजारों में ऐसी आशावाद को कौन से कारक प्रेरित कर रहे हैं। इस बार जवाब ढूंढने के लिए दूर–दूर तक नजर नहीं दौड़ानी पड़ेगी। इस बार अनुकूल संयोग है और तेजी कुछ देर तक चल सकती है। लंबे समय के बाद कम मुद्रास्फीति हाल का प्रमुख सकारात्मक विकास हो सकता है। कम मुद्रास्फीति एक आसान धन नीति और इसकी दरों में नीचे की ओर संशोधन की उम्मीदों को बढ़ावा देती है। इधर, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने रेट कट का चक्र शुरू करने के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा है। बल्कि सावधानी बरतने की बात की है और चेतावनी दी है कि आरबीआई मुद्रास्फीति प्रिंटों की बारीकी से निगरानी कर रहा है। लेकिन फिर, केंद्रीय बैंकों के बड़े भाई, यूएस फेड के अध्यक्ष, जेरोम पॉवेल ने बाजार की अपेक्षा से अधिक तेजी से दर संशोधन चक्र की संभावना का संकेत दिया है। इसने बाजार के लिए एक मादक कॉकटेल के रूप में काम किया था। लेकिन यहां और अभी के लिए इस तरह के बेतहाशा उतार–चढ़ाव बहुत अच्छी बातें हैं। ये फीडबैक चौनलों की नकल करते हैं जो एक प्रकार के उत्साह को बढ़ावा देते हैं, भले ही ऐसी चीजें अल्पकालिक होती हैं। हालांकि शेयर बाजार में निवेशक बहुत बड़े नहीं हैं, लेकिन बाजार में इस तरह के व्यापक उतार–चढ़ाव एक प्रकार का श्फील–गुड्य कारक पैदा करते हैं जो उपभोक्ता भावनाओं को मजबूत करने की दिशा में काम करता है। इससे कम से कम निवेशकों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और उपभोग मांग में बढ़ोतरी हो सकती है। जब बीएसई सेंसेक्स 70,000 को छू गया था, तो यह ऊंचा दिख रहा था। अब, यह 71,000 से आगे बढ़ रहा है। देखिए किस गति से ये चीजें हो रही हैं। जहां सेंसेक्स को 1,000 अंक चढ़ने में 93 सत्र लगे, वहीं 70,000 से 71,000 तक पहुंचने में इसे केवल एक दिन लगा। तर्कसंगत रूप से कहें तो यह अनिश्चितता का संकेतक है। जब मूड में इतना तीव्र बदलाव होता है तो प्रतिक्रियाएं भी उतनी ही तीव्र हो सकती हैं। लेकिन, इसे एक पल के लिए छोड़ दें, और आइए हम उन कारकों की जांच करें जो इस तरह की चीजों को बढ़ावा दे रहे हैं और ये कितने स्थिर हो सकते हैं। मुख्य रूप से, यह कुछ वैश्विक रुझानों का प्रतिबिंब है जो सीमाओं के पार धन के प्रवाह को प्रभावित कर रहे हैं। जैसा कि हमने उल्लेख किया था, अमेरिकी केंद्रीय बैंक, फेडरल रिजर्व ने इस सप्ताह की शुरुआत में संकेत दिया था कि अमेरिकी मुद्रास्फीति दरों में नरमी को देखते हुए, प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति को समाप्त किया जा सकता है और ब्याज दरों में संभावित कटौती की जा सकती है। अमेरिकी मुद्रास्फीति पिछले वर्ष के 7.5 फीसदी से घटकर अब लगभग 3.5 फीसदी हो गई है। यह एक मजबूत विकास है। इसे कहां तक बनाये रखने की उम्मीद है? क्या मजबूत मूल्य रुझान की वापसी हो सकती है? इसकी संभावना नहीं है क्योंकि अमेरिकी वेतन वृद्धि मुद्रास्फीति की तुलना में तेज चल रही है और अब इसमें कमी आने की उम्मीद है। दूसरे, तेल की कीमतें भी गंभीर निशान छोड़ रही हैं। फेड अध्यक्ष के बयान पर उत्साहजनक प्रतिक्रियाओं की लहर दौड़ गई और अमेरिकी वित्तीय बाजार उत्साहित हो गये। अमेरिकी शेयर बाजार में निवेशकों द्वारा शेयरों की भारी खरीदारी देखी गई और परिणामस्वरूप अमेरिकी बाजार चढ़ गया। दूसरी ओर, अमेरिकी दर में कटौती की प्रत्याशा में, निवेशकों ने अपने विकल्पों की समीक्षा की और अन्य वित्तीय बाजारों में अवसरों की तलाश कर रहे हैं। बॉन्ड बाजार के निवेशकों को भविष्य में कमाई की संभावनाएं क्षीण लग रही हैं और इसलिए वे अन्य बाजारों और अन्य उत्पादों की ओर देखने के लिए बाध्य हैं। धन भारतीय बाजारों में क्यों आना चाहिए? ऐसा इसलिए कि वैकल्पिक बाजार अनाकर्षक दिख रहे हैं। चीन, हाल तक संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा सबसे बड़ा बाजार था, जो धन आकर्षित करता था। हालांकि, चीनी बाजार स्वयं कमजोर हो रहा है और वहां राजनीतिक मालिक चीनी अर्थव्यवस्था के हर विकास को नियंत्रित करना चाह रहे हैं।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिक कदमों से चीन में बाजार की धारणा बुरी तरह प्रभावित हुई है और बड़ी संख्या में कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। चीन की कंपनियों ने चीनी शेयर बाजार अधिकारियों को लापता मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के बारे में सूचित किया है। इस खबर के परिणामस्वरूप चीनी शेयर बाजारों में गिरावट आई है।

बदले में, भारतीय बाजारों में बढ़त जारी है। सबसे पहले, भारत में व्यापक आर्थिक स्थिति अनुकूल है।

गायत्री परिवार की पहलः संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहें बच्चे

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) श्री डाल मेमोरियल स्कूल में गुरुवार को गायत्री परिवार की ओर से विद्यालय के सभी बच्चों को व्यक्तित्व विकास के बारे में जानकारी दी गई जिसमें बच्चों को बताया गया कि किस प्रकार हमें अपना आत्म बल बढ़ाना है काम के प्रति ईमानदार रहना है तथा अच्छे विचारों को धारण करना है उसके बारे में सभी बच्चों को बताया तथा वैज्ञानिक तकनीक के माध्यम से भी बच्चों को डॉक्टर अंकुर श्रीवास्तव जोन प्रभारी ने बताया कि 3ळ, 4ळ, 5ळ लेकिन माता जी ,पिताजी और गुरु जी से बढ़कर कोई और जी हो ही नहीं सकता। इसके अलावा बच्चों को आत्मबल, दृढ़ निश्चय आत्मविश्वास किस तरह रखना चाहिए इसकी जानकारी दी। श्रृंखला में गायत्री परिवार के नरेंद्र कुमार ने कछुआ और खरगोश की कहानी को रोचक रूप देते हुए कई प्रकार से बच्चों के सामने प्रस्तुत किया उन्होंने बताया कि किस तरह हम खुद पर विश्वास रखते हुए अपने पथ पर आगे बढ़ सकते हैं और जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं तथा बच्चों को बताया कि हमारे तन का इलाज तो हो सकता है परंतु मन का इलाज नहीं हो सकता।

विद्यालय के सभी बच्चों को गायत्री परिवार की ओर से आध्यात्मिक पुस्तकों का वितरण किया गया जिसके माध्यम से बच्चे अपने भविष्य में ऊंचाइयों तक पहुंचने तथा संस्कारो से जुड़े रहने की प्रेरणा ले सकते है।

इस मौके पर गायत्री परिवार के डॉक्टर नरेश चंद्रत्रिपाठी , जेपी यादव, एके गुप्ता ,राहुल मिश्रा, अजय कुमार सिंह, हरिहर बक्श सिंह, लक्ष्मी नारायण पांडे ,मनमोहन सिंह, सर्वेश सिंह ,चक्रपाल सिंह (एन वी एस समन्वय), सुरेश बाबा मिश्रा (डिस्ट्रिक्ट समन्वय) मौजूद रहे।इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक अखिलेश सिंह ने गायत्री परिवार के सभी अतिथियों भारतीय परंपरा के अनुसार तिलक करके स्वागत किया। विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंह ने भी गायत्री परिवार के सभी अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत किया गया।

गायत्री परिवार के अतिथियों के द्वारा विद्यालय के सभी बच्चों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य लक्ष्मी देवी शिक्षिका विनीता शुक्ला ,नीलम राठौर, रचना प्रजापति,मनसा वाजपेई ,कविता गुप्ता , अर्पिता सिंह ,प्रज्ञा द्विवेदी, सोनी तिवारी, शिक्षक राम प्रकाश पांडेय ,संजय गुप्ता ,उदय शुक्ला, शुभम सिंह आदि मौजूद रहे।

उधर ब्लॉक टड़ियांवा के आशा में स्थित सीएस अकैडमी में भी गायत्री परिवार की ओर से गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें बच्चों को नैतिकता के आधार पर जीवन जीने आत्म बलवत विश्वास को मजबूत करने तथा लक्ष्य को निर्धारित कर प्राप्त करने के तमाम टिप्स दिए गए इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक कमलेश कुमार सिंह सहित गायत्री परिवार के सभी पारिवारी जन मौजूद रहे।

अयोध्या के मंदिरों में दर्शन पूजन जाने के लिए मार्गों पर लगाई जाएगी निर्देश पट्टिका

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या राम नगरी में विभिन्न भाषाओं में लगाई जाएगी निर्देश पट्टिका, दक्षिण भारत के भाषा में भी लगाई जाएगी निर्देश पट्टिका,अयोध्या पहुंचे एडीजी जोन पियूष मोर्डिया ने दी जानकारी, पीयूष मोर्डिया ने बताया कि अयोध्या के मंदिरों की तरफ जाने वाले मार्गों को चिन्हित कर उन मार्गों पर यथासंभव यथा आवश्यकता श्रद्धालुओं के चलने के लिए योजना बनाई गई है, जिस मार्ग से पैदल यात्री जा सके, उन मार्गों पर वाहनों को जाने से रोका जाए, यह भी निर्धारित किया जा रहा है, जहां पर वाहनों के आने की आवश्यकता है वे उस प्रकार से आए की अन्य लोगों का आना–जाना बाधित न हो, जिन मार्गों पर जिस प्रकार की आवश्यकता है उसे उस प्रकार की योजना बनाई जा रही है,कुछ मार्गों पर ई–रिक्शा को किया जाएगा बैन, मंदिरों के मार्गों पर लगाए जाएंगे निर्देश पट्टिका, श्रद्धालुओं को मंदिर जाने में दिक्कत ना हो इसलिए विभिन्न भाषाओं में लिखी हुई लगवाई जाएगी निर्देश पट्टिका,जिस भाषा क्षेत्र से श्रद्धालु आएंगे उसी भाषा में उनको निर्देश पट्टिका के माध्यम से जानकारी मिल जाए ऐसी योजना बनाई जा रही है। 'राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष ने अयोध्या रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण'

अयोध्या डीकेयू लाइव ब्यूरो सुरेंद्र कुमार।अयोध्या राम नगरी में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नई ट्रेनों के संचालन की समीक्षा रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने की। उन्होंने अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन और रामघाट हाल्ट रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों के साथ बैठक किया। प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर रेलवे के द्वारा दी जाने वाली श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर मंथन किया। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के निकट के सभी स्टेशनों की इस मौके पर समीक्षा की गई। प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर चलाई जाने वाली स्पेशल ट्रेनों को लेकर इस मौके पर मंथन भी किया गया। इस मौके पर रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने बयान दिया कि अयोध्या में 22 जनवरी के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की यहां उम्मीद है। आने वाले श्रद्धालु और प्रेरकों के सुविधाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी की समीक्षा की जा रही है। अयोध्या क्षेत्र में सभी रेलवे स्टेशनों और रेलवे ट्रैक का अपग्रेशन का काम किया जा रहा है। रेलवे ट्रैक के डबलिंग का काम भी किया जा रहा है। 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री के अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के कार्यक्रम पर उन्होंने कहा कि अभी वार्ता चल रही है। वार्ता फाइनल होने पर सभी को सूचित किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर ज्यादा से ज्यादा ट्रेने चलाने यहां तैयारी है। 30 दिसंबर को अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की नई बिल्डिंग को हैंडओवर करने पर काम चल रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के लिए चालू की जाने वाली सभी स्पेशल ट्रेन की जल्द ही घोषणा की जाएगी। बुकिंग फुल होने के बाद यदि ट्रैक होगा अवेलेबल तो और भी स्पेशल ट्रेन चलाए जाने की योजना है।

फीनिक्स यूनाइटेड आलमबाग में क्रिसमस कार्निवल के जश्न और शॉपिंग की धूम

लखनऊ, राजधानी के फेवरिट शॉपिंग डेस्टिनेशन फीनिक्स यूनाइटेड मॉल, आलमबाग में 11 दिसंबर से 31 दिसंबर, 2023 तक एक भव्य क्रिसमस कार्निवल का आयोजन हो रहा है। फेस्टिव सीजन और शॉपिंग के शौकीनों के लिए यह कार्निवाल एक विशेष अवसर लेकर आया है। फीनिक्स मिल्स के सीनियर सेंटर डायरेक्टर, श्री संजीव सरीन ने कार्निवाल को लेकर उत्साह साझा करते हुए बताया, ष्हम अपने क्रिसमस कार्निवल के साथ क्रिसमस की खुशियाँ मनाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। ये सिर्फ शॉपिंग के लिए ही खास मौका नहीं है, यह एक खास मौका है फेस्टिव सीजन को अपने लिए यादगार बनाने का। यह क्रिसमस कार्निवल हर किसी के लिए कुछ ना कुछ स्पेशल ऑफर कर रहा है, चाहे वो नवीनतम फैशन हो या परफेक्ट क्रिसमस गिफ्ट।

इस दौरान मॉल आकर्षक वर्कशॉप्स की एक श्रृंखला भी आयोजित कर रहा है, जो सभी उम्र के लोगों को भरपूर फेस्टिव मनोरंजन प्रदान करेगा। शॉपर्स क्ले सांता मेकिंग, कप और केक मेकिंग और ट्री डेकोरेशन जैसी गतिविधियों वाली वर्कशॉप्स में अपनी रचनात्मकता दिखा सकते हैं। 23 से 25 दिसंबर मॉल में सांता मीट एंड ग्रीट इवेंट आयोजित किया जाएगा, जिसमें बच्चे और बड़े सांता क्लॉज से अपनी विश साझा कर यादगार पलों को सेल्फी के माध्यम से संजो सकते हैं।

फेस्टिविटी के आनंद को और भी बढ़ाते हुए फीनिक्स यूनाइटेड 24 दिसंबर एक ट्रॉन लाइट शो आयोजन करेगा है। इस शो के माध्यम से दर्शकों शानदार लाइट शो का आनंद मिलेगा जो उनके हॉलीडे सीजन को और भी रोमांचक बना देगा।

मॉल में आने वाले संगीत प्रेमी 24 दिसंबर की शाम को रॉक बैंड प्रदर्शन के साथ आनंद ले सकते हैं। क्रिसमस के अवसर पर 25 दिसंबर को क्रिसमस परेड के साथ आयोजित की जाएगी।

इन आयोजनों के अलावा 25 दिसंबर शॉपर्स को स्नोमैन के बनने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। जिसमें शॉपर्स अपना खुद का स्नोमैन बनाकर क्रिसमस के पर्व का पूरा आनंद लेंगे।

कार्निवल के दौरान 2,999/– से ज्यादा की खरीद करने वालों को व्हील स्पिन करने का मौका मिलेगा, जिसके माध्यम से वे रोमांचक उपहार जीत सकते हैं। पैंटालून, मैक्स, जूडियो, मार्क्स एंड स्पेंसर, ओनली, जैक एंड जोन्स, लेविस, स्केचर्स, जॉन प्लेयर्स, टर्टल, ली कूपर और कैंपस जैसे लोकप्रिय ब्रांड के साथ निश्चित ही फीनिक्स यूनाइटेड क्रिसमस कार्निवल में शॉपिंग का मजा दोगुना होने जा रहा है।

अर्थराइटिस का क्या है सही इलाज, कैसे मिल सकती है दर्द से जल्द राहत, जानिए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अर्थराइटिस यानी गठिया में हड्डी के जोड़ की सूजन और दर्द, जोड़ के मोड़ने में कठिनाई होती है. गठिया में 100 से ज्यादा तरह के डिसऑर्डर शामिल होते हैं और गठिया में सबसे आम ऑस्टियोआर्थराइटिस है. ऑस्टियोआर्थराइटिस हड्डी के सिरों पर कार्टिलेज को प्रभावित करता है जिसके कारण हड्डियां एक–दूसरे से रगड़ती हैं. मैक्स स्मार्ट सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल साकेत में ऑर्थोपेडिक्स एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट विभाग, आर्थ्रोस्कोपी एंड स्पोर्ट्स इंजरी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉक्टर क्षितिज केकर ने बताया कि कार्टिलेज का यह नुकसान आमतौर पर उम्र के साथ होता है, लेकिन कभी–कभी यांत्रिक तनाव, चोट और मोटापे के कारण ऑस्टियोआर्थराइटिस कम उम्र में भी शुरू हो सकता है.

गठिया के इलाज में पहला कदम मरीज को समस्या और रोग के नेचुरल कोर्स के बारे में एजुकेट करना है. फिलहाल, घिसे–पिटे कार्टिलेज के रिजनरेट करने का कोई तरीका नहीं है. इसलिए मरीजों की चिंता और आशंका को दूर करना बेहद जरूरी है कि मरीज को क्या उम्मीद करनी है. मरीजों को शिक्षित करने की आवश्यकता है कि इलाज का प्राथमिक उद्देश्य दर्द को नियंत्रित करना, जॉइंट फंक्शन और गतिशीलता को संरक्षित करना व जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना

है.अगला कदम वजन घटाने और पोषण संबंधी परामर्श जैसे परिवर्तनीय कारकों का ध्यान रखना है. एक स्वस्थ संतुलित आहार खाना चाहिए जिसमें ओमेगा–3 वसा (कॉड लिवर ऑयल), मोनोअनसैचुरेटेड वसा, फल, सब्जियां, दालें, नट्स और बीज शामिल हैं. वजन कम करने से जोड़ों में काफी कमी आती है क्योंकि शरीर के वजन का 1 किलोग्राम का नुकसान घुटनों पर 4 गुना भार ले जाता है.

एक्सरसाइज और फिजियोथेरेपी ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रारंभिक इलाज का मुख्य आधार हैं. यह दर्द और कठोरता को कम करने में मदद करता है और जोड़ों के कार्यों व मूवमेंट की सीमा को बनाए रखता है. इन मरीजों के लिए एरोबिक, स्ट्रेचिंग और कोर स्ट्रेंथ–बिल्डिंग एक्सरसाइज के संयोजन की सलाह दी जाती है. वॉकिंग, साइकिल चलाना, तैराकी, योग और वाटर एरोबिक्स भी इसमें फायदेमंद साबित होती है. घुटने और कूल्हे के गठिया से पीड़ित मरीजों को बैठने, दौड़ने और ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी वाले खेलों से बचना चाहिए.

–दर्द से आराम पाने के लिए जैल का इस्तेमाल किया जाता है. मुंह से खाने वाली दर्द निवारक दवाओं का उपयोग कुछ समय के लिए किया जा सकता है. लंबे समय तक असुरक्षित उपयोग से पेट में अल्सर और रक्तस्राव हो सकता है, गुर्दे को नुकसान हो सकता है, और स्ट्रोक व हार्ट फेल का खतरा भी बढ़ सकता है.

–कुछ वक्त राहत के लिए हायलूरोनिक एसिड, स्टेरॉयड या पीआरपी इंजेक्शन लिया जा सकता है. हालांकि, यह स्पष्ट रूप से समझने की आवश्यकता है कि स्टेरॉयड, पीआरपी, या हाइलूरोनिक एसिड इंजेक्शन केवल अल्पकालिक राहत प्रदान करते हैं और गठिया को पूरी तरह से ठीक नहीं कर सकते.

–जब हमारे सभी परंपरागत इलाज विफल हो जाते हैं और दर्द, कठोरता व चलने में कठिनाई से रोजमर्रा के काम करने में भी दिक्कत आने लगती है तो मरीज को जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी से लाभ मिलता है. इस सर्जरी में हड्डियों के सिरों को फिर से उभारा जाता है और हड्डियों के पुनरू उभरे सिरों को ढकने के लिए मेटल और प्लास्टिक इम्प्लांट किया जाता है.

–गठिया का इलाज इस बात पर निर्भर करता है कि मरीज बीमारी की किस स्टेज में है और उसे किस तरह के लक्षण हैं. जितनी जल्दी रोग का डायग्नोज होकर सही इलाज शुरू हो जाता है उतने ही अच्छे रिजल्ट आते हैं. संतुलित आहार खाने, सही वजन बनाए रखने और रेगुलर एक्सरसाइज करने से गठिया के लक्षणों को नियंत्रण में रखा जा सकता है. एडवांस गठिया के मामलों में, जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी दर्द मुक्त गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता को बहाल करने में बहुत मदद करती है.

यूपी सरकार बढ़ाएगी शराब की कीमत,देशी शराब की बढ़ेगी लाइसेंस फीस

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में योगी कैबिनेट ने नई आबकारी नीति को मंजूर कर लिया। चर्चा के लिए आबकारी विभाग का दो प्रस्ताव पेश किया गया था। नई नीति के तहत अब उत्तर प्रदेश में शराब पीने पर ज्यादा जेब ढीली करने पड़ेगी। सरकार ने अंग्रेजी शराब, बियर, भांग की लाइसेंस फीस में बदलाव किए हैं। 1 अप्रैल 2024 से लाइसेंस फीस में 10 फीसद का ईजाफा होगा। योगी कैबिनेट ने आबकारी नीति के नए संशोधन को 31 मार्च 2025 तक लागू किये जाने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया। प्रदेश की करीब 29 हजार दुकानों का ई–नवीनीकरण होगा। फलों से शराब बनाने के लिए नियमावली में भी संशोधन को सरकार ने हरी झंडी दे दी। अब वाइन प्लांट्स में एप्पल, व्हाइट ग्रैप्स, नाशपाती से भी शराब बनाई जा सकती है। वाइन शॉप के पास की जगह लाइसेंस धारक मॉडल शॉप के तौर पर कर सकते हैं। अंग्रेजी शराब, बियर, भांग के बेसिक लाइसेंस फीस में 10 फीसद बढ़ाने पर योगी कैबिनेट ने मुहर लगाई। योगी कैबिनेट ने नए आबकारी नीति में चार श्रेणियां निर्धारित कर दी है। 25 प्रतिशत, 36 प्रतिशत स्ट्रेंथ की मदिरा अब शीरे से निर्मित होंगी। ग्रेन निर्माण मदिरा में 42.8 प्रतिशत स्ट्रेंथ के साथ 36 प्रतिशत स्ट्रेंथ की मंजूरी। देशी शराब का कोटा 10 फीसद बढ़ाया गया है। बता दें कि कैबिनेट की बैठक में 20 प्रस्ताव पेश किए गए थे। सरकार ने 19 प्रस्तावों को हरी झंडी दिखाई। यूपी कैबिनेट की पिछली बैठक 28 नवंबर को हुई थी। बैठक में चालू वित्तीय वर्ष के लिए अनुपूरक बजट को स्वीकृत किया गया था। तीन हफ्ते बाद आयोजित योगी कैबिनेट ने 19 प्रस्तावों पर मुहर लगाई।

जितेन्द्र बने बदलापुर कायस्थ महासभा के अध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,बदलापुर।अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव जी व प्रदेश अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव के संगठन जोड़ो अभियान के अंतर्गत जौनपुर के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने संगठन विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत आज अखिल भारतीय कायस्थ महासभा कायस्थ बदलापुर का अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव पुत्र दीनानाथ श्रीवास्तव निवासी ग्राम सरायहरखू

जी को बदलापुर तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया है। कायस्थ महासभा 2150 का बदलापुर का अध्यक्ष मनोनीत होने पर ,कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव एडवोकेट, राष्ट्रीय सचिव राजीव श्रीवास्तव राजू ,राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट,वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव पूर्व प्रशासनिक अधिकारी,प्रदेश संगठन मंत्री उमेश श्रीवास्तव फूफा, प्रदेश सचिव व राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी अनुपम श्रीवास्तव, प्रदेश प्रवक्ता 2150 विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार, अतुल श्रीवास्तव ऑडिटर एडवोकेट, जिला उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव पत्रकार,प्रदेश प्रभारी संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ संजय श्रीवास्तव श्रीवास्तव पत्रकार अंकित श्रीवास्तव जिला महासचिव अनुराग श्रीवास्तव एडवोकेट जिला उपाध्यक्ष शिव शंकर श्रीवास्तवआदि चित्रांश बंधुओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दिया नवनियुक्त अध्यक्ष जितेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ महासभा 2150 को ग्राम पंचायत स्तर तक मजबूत करेंगे व जल्दी ही बदलापुर टीम का सपथ ग्रहण समारोह होगा।

अवशेष शिक्षकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का प्रारंभ

जौनपुर। राजकीय/अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत गणित विषय के अवशेष शिक्षकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का प्रारंभ उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जौनपुर की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया स प्राचार्य ने बताया कि गणित विषय वर्तमान समय में बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है स गणित के शिक्षक को अभिभावक या समाज एक आशा की दृष्टि से देखता है तथा यह मानता है कि उसके बच्चे को सफल बनाने में गणित विषय के शिक्षक की अहम भूमिका होती है स विषय विशेषज्ञ डॉ. आशीष शुक्ला असिस्टेंट प्रोफेसर गणित राजा श्री कृष्णदत्त पीजी कॉलेज जौनपुर ने, संख्या पद्धति को इतना सहज और सरल तरीके से बताया कि सभी प्रशिक्षु आसानी से उसको सीख गए और अपनी कक्षा शिक्षण में प्रयोग करने के लिए वादा किया स वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. रवीन्द्र नाथ ने बताया कि डायट की जिम्मेदारी बढ़ गई है अब कक्षा 1 से 12 तक का एकेडमिक सपोर्ट डायट करता है तथा समय–समय पर विभाग ऐसे प्रशिक्षण का आयोजन करता रहता है स आप सभी प्रशिक्षु प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने–अपने विद्यालय में इसका उपयोग करेंगे तथा गणित विषय में इसका अनुप्रयोग करें स प्रशिक्षण में संदर्भदाता प्रवक्ता धर्मेंद्र कुमार, प्रवक्ता दुर्गेश चंद्र यादव तथा जोगेंद्र कुमार यादव तथा मनोज कुमार ने अपने–अपने प्रकरण का प्रशिक्षण दिया तथा सभी को अच्छा शिक्षण करने के लिए प्रेरित किया स

फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जौनपुर नगर क्षेत्र में मल एवं गाद प्रबंधन को लेकर चर्चा की गयी एवं रणनीति बनाई गई

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर पालिका परिषद कार्यालय में गुरुवार को अमृत योजना के अंतर्गत 32 के एलडी क्षमता वाले मल एवं गाद प्रबंधन के बने प्लांट लिए एक वैठक आहुत की गई हैं। बैठक में एवं स्थलीय निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी श्री पवन कुमार, अधिशासी अभियंता जलनिगम जौनपुर,अवर अभियंता जलनिगम जौनपुर, अमृत योजना से घनश्याम अग्रहरि तथा सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अवधेश यादव ,लखनऊ से आए सेंटर फॉर साइन्स एंड एनवायरनमेंट के कार्यक्रम अधिकारी श्री मनीष मिश्रा निरीक्षण के दौरान मल एवं गाद प्रबंधन के निर्मित प्लांट के संचालन के संबंध में चर्चा की गई।नियंत्रण के लिए सभी निजी सेप्टिक टैंक सफाई करने वालों को नगर पालिका परिषद जौनपुर में पंजीकरण कराया जाना चाहिए। जो कि पालिका में पंजीकरण की कार्यवाही शुरू हो गई हैं ।नगर पालिका के अधिकारी इसके लिए उप नियम बनाए और उसी के अनुसार उसका प्रबंधन करे, साथ ही सरकारी आवास, संस्थागत सेप्टिक टैंक को खाली करने पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही शोधन संयंत्र को सुचारू रूप से संचालन के लिए रणनीति बनाये और उसके लिए टेंडर जारी करे। सभी सफाई कर्मचारियों को पहचान पत्र देने के निर्देश दिए गए। नगर क्षेत्र में वाल पेंटिंग के माध्यम से आम जनमानस में जन जागरूकता लाने की भी कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष का आगमन 22 को

ब्यूरो प्रकाश

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित श्रीवास्तव जी का आगमन 22 दिसंबर को जौनपुर हो रहा है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित श्रीवास्तव जी गाजीपुर से शाम 4 बजे जौनपुर में हुसैनाबाद में राष्ट्रीय सचिव राजीव श्रीवास्तव राजू भइया के आवास पर आएंगे जहां लोगो से मुलाकात करेंगे उसके बाद शाम 6 बजे होटल रघुवंशी में कायस्थ महासभा कायस्थ महासभा जौनपुर द्वारा आयोजित संगठन पदाधिकारी बैठक, सदस्यता ग्रहण समारोह व सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग

लेंगे फिर देर रात्रि लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।उक्त आशय की जानकारी कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव, प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक, प्रदेश सचिव अनुपम श्रीवास्तव ने देते हुए जोरदार स्वागत का आग्रह किया है।

आदर्श गौशाला की बाउंड्री वॉल टूटी गौशाला से निकलकर पशु कर रहे किसानों की फसले तबाह

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अमानीगंज विकासखंड की आदर्श गौशाला रामपुर गौहनिया की बाउंड्री वॉल जगह–जगह से टूट गई है जेसीबी के सहारे लगाई गई मिट्टी की खाई वर्ष 2015–16 में तैयार की गई थी विकास खण्ड अमानीगंज की पहली और आदर्श गौशाला का दर्जा प्राप्त रामपुर गौहनिया गो आश्रय केंद्र पर 250 गोवंश रखे गए हैं जगह–जगह गौशाला की बाउंड्री वॉल टूट जाने से गौशाला के अंदर रखे गए पशु बाउंड्री वॉल फांदकर खेतों की ओर निकल जाते हैं जिससे किसानों की खड़ी फसल तबाह हो रही है यही नहीं खेतों की रखवाली कर रहे एक किसान जगलाल का पैर खेतों की रखवाली करते हुए समय पशुओं के हमले से टूट गया रामपुर गौहनिया निवासी किसान दूधनाथ राम अवतार रामफेर भज्जू शिव शंकर रामफल गया देई जग पता रेशमा दीपक राम सुमेर आदि लोगों ने बताया कि रात–रात तक जागकर उन्हें फसलों की रखवाली करना पड़ रहा है उन्होंने कहा कि इस मामले में कई बार ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत विकास अधिकारी से कहा गया लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई गौशाला के केयरटेकर गंगाराम रामनाथ अलगू राम और रामकिशोर नियुक्त हैं जिसमें से रामकिशोर रात में गौशाला पर ड्यूटी देते हैं जबकि गंगाराम रामनाथ और राम किशोर दिन में मौजूद रहते हैं रामकिशोर ने बताया कि बाउंड्री वॉल टूटी होने से इक्का दुक्का जानवर इधर–उधर से कूद जाते हैं ।

बड़ी मुश्किल से आ रहे राम लला टेंट व फाइबर युक्त मंदिर से भव्य राम मंदिर में

जाने वर्ष 1528 में हुए बाबरी मस्जिद से राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा तक का लंबा सफर

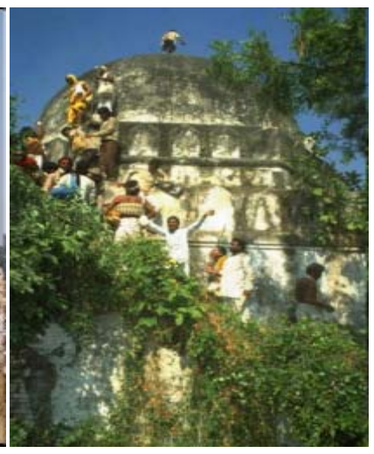

(राजेश श्रीवास्तव/डाक्टर अजय तिवारी)

अयोध्या।22 जनवरी वर्ष 2024 के दिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी उसके बाद प्रभु श्री राम फाइबर निर्मित मंदिर से हटकर भव्य मंदिर में विराजमान होंगे।अगर देखा जाए राम जन्मभूमि के विवाद से लेकर राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के बीच तंबू व फाइबर युक्त मंदिर मे राम लला कई वर्षों तक रहे वही कई बार दंगों,अदालत की लड़ाई व फैसला के बीच में बाबरी मस्जिद को तोड़े जाना उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला आना के साथ–साथ आज 496 साल बाद राम लला का भव्य मंदिर तैयार हो चुका है।अगर इसका इतिहास देखें तो इसके लिए हमें वर्ष 1528 में जाना पड़ेगा।बताते चले 1528 में बाबर के अत्यंत करीबी सिपह सलाहकार मीर बाकी द्वारा राम जन्म भूमि मंदिर पर बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया गया। जिसमें तीन गुंबद बनाए गए थे।तब 23 सितंबर 1949 को एक गुंबद से प्रभु श्री राम की मूर्ति बरामद हुई इस मूर्ति के बरामद होने के कारण मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इसका विरोध भी किया।कहा जाता है कि उस समय की सरकार ने इस मूर्ति को हटाने का आदेश फैजाबाद जो कि अब अयोध्या जिले के नाम से जाना जाता है के जिला अधिकारी के के नायर को दिया।लेकिन के के नायर ने यह कहने से मूर्ति नहीं हटवाया कि अगर मूर्ति हटाएंगे तो दंगा भड़क सकता है।जिसके चलते इस विवाद और अधिक उत्पन्न ना हो इसके लिए राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद के दरवाजे पर ताला लगा दिया गया।1950 में हिंदू पक्ष के ओर से दो अर्जी सिविल कोर्ट में दाखिल की गई।एक अर्जी में रामलला की पूजा करने की इजाजत तथा दूसरी अर्जी में प्रभु श्री राम की मूर्ति वहीं स्थापित की जाए के लिए इजाजत मांगी गईं। वर्ष 1961 में सुन्नी वक्फ बोर्ड ने एक अर्जी दाखिल किया कि विवादित भूमि पर पजेशन व मूर्ति को हटाने की मांग की।धीरे–धीरे समय बीतता गया आखिरकार 1986 में हिंदू पक्ष की ओर फैसला आया इस दौरान 1 फरवरी 1986 को यूसी पांडे की याचिका पर फैजाबाद जिला जज के एम पांडे ने हिंदुओं को राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा करने की अनुमति दी वही ढांचे पर लगे ताले को खोलने का आदेश भी दिया। वर्ष 1990 मे 30 अक्टूबर व एक नवंबर वह दिन आज भी हिंदू समुदाय के लोग नहीं भूल सकते हैं जब मुलायम सरकार ने सैकड़ों निहत्थे कारसेवकों के ऊपर गोली चलवाई थी।जिसमें कई निहत्थे कारसेवक मारे गए और अनेक कारसेवक घायल हुए।6 दिसंबर वर्ष 1992 को कल्याण सिंह की सरकार में जब फैजाबाद जो कि अयोध्या के नाम से जाना जाता है के जिला अधिकारी आर एस श्रीवास्तव व एसएसपी डीबी राय के समय विश्व हिंदू परिषद,शिवसेना सहित अन्य हिंदू संगठनों ने राम जन्म भूमि बाबरी मस्जिद पर चढ़कर तीनों गुंबदों को देखते–देखते गिरा दिया ।जिसके चलते वर्ष 2002 में कासेवकों को ले जा रही ट्रेन में एक समुदाय के लोगों ने आग लगा दिया जिसमें कई कारसेवक मारे गए।जिससे भड़की दंगों में लगभग 2000 से अधिक लोग मारे गए थे।उसके बाद वर्ष 2010 में हाई कोर्ट इलाहाबाद पीठ ने राम जन्मभूमिध्बाबरी मस्जिद की जमीन को बराबर बराबर सुन्नी वक्फ बोर्ड, रामलला व निर्मोही अखाड़ा को दिए जाने का आदेश दिया।वहीं सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2011 में इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा दिए गए इस आदेश को निरस्त कर दिया।बताते चले उसके बाद वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट का आह्वान किया जिसमें भाजपा के कई नेताओं पर आपराधिक साजिश बहाल किया गया। वहीं 2019 में ही अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने मामले को मध्यस्थ के लिए भेज दिया और इसके लिए 8 सप्ताह का समय दिया।1 अगस्त वर्ष 2019 को मध्यस्थता पैनल ने रिपोर्ट में पेश किया और 2 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट मध्यस्थ मामले को समाधान नहीं निकल सका। जिसके चलते 16 अगस्त 2019 को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रखा।आखिरकार वह दिन हिंदूओ के लिए शुभ घड़ी का दिन आ ही गया जब सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर 2019 को पांच जजों की बेंच ने राम जन्मभूमि के पक्ष में अपना फैसला सुनाया। राम जन्मभूमि के पक्ष में यह फैसला आया कि राम जन्मभूमिध्बाबरी मस्जिद विवादित भूमि राम जन्म भूमि के निर्माण के लिए मुहैया कराया जाए।वही 5 एकड़ की भूमि मुस्लिम पक्ष को मुहैया करने का आदेश दिया गया। यह फैसला आते ही सिर्फ रामनगरी में ही नहीं बल्कि समूचे भारत देश के विश्व में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और उसे दिन लोगों ने दीपावली होली का पर्व मनाया।सुप्रीम कोर्ट के फैसला राम जन्मभूमि के पक्ष में आने के बाद 25 मार्च 2020 को पूरे 28 साल बाद भगवान श्री राम टेंट से निकलकर फाइबर युक्त मंदिर में विराजमान हुए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा फैसला आने के बाद एक ट्रस्ट का निर्माण भी किया गया। जिसका नाम श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या ट्रस्ट रखा गया।वर्तमान समय में चंपत राय ट्रस्ट के महासचिव हैं। इसी बीच देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां पर आकर भूमि पूजन किया और एक निर्धारित समय सीमा के अंदर इसी वर्ष 31 दिसंबर 2023 तक रामलाल का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा।22 जनवरी 2024 का दिन बहुत ही शुभ रहेगा जब प्रभु श्री राम पहले टेंट में थे उसके बाद फाइबर युक्त मंदिर में आए और अब अपने स्थान जो की भव्य राम जन्मभूमि मंदिर है उसमें विराजमान होंगे।इस दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राण प्रतिष्ठा करेंगे और इसके साक्षी हजारों संत महात्मा के साथ–साथ देश विदेश के अलावा भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले आमंत्रित अतिथि होंगे।

भारत रत्न अटल जी के जन्म दिवस के अवसर पर महिला बास्केटबाल एवं हैण्डबाल खेलों का होगा आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। क्रीडा अधिकारी ने अवगत कराया है कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्म दिवस के अवसर पर 25 दिसम्बर, 2023 से 27 दिसम्बर, 2023 तक प्रदेश स्तरीय महिला बास्केटबाल एवं हैण्डबाल प्रतियोगिता बृहद आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में कराया जायेगा।

प्रतियोगिता में 18 मण्डल की महिला बास्केटबाल व हैण्डबाल खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगी। उक्त प्रतियोगिता में कुछ मण्डलों से अन्तर्राष्ट्रीय महिला खिलाड़ियों की आने की सम्भावना है। प्रतियोगिता लीग कम नाक आऊट आधार पर आयोजित की जायेगी। प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए योग्यता प्राप्त निर्णायकों को आमंत्रण दे दिया गया है। टीमें पूर्वांचल विश्वविद्यालय के ज्योतिबा फूले छात्रावास में निवास करेंगी तथा प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में नव–निर्मित बास्केटबाल कोर्ट व हैण्डबाल कोर्ट पर होगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खेल एवं युवा कल्याण विभाग उ0प्र0 श्री गिरीशचन्द्र यादव, के कर–कमलों द्वारा 25 दिसम्बर 2023 को किया जायेगा। उद्घाटन के अवसर पर श्री रमेश चन्द्र मिश्र, मा0 विधायक बदलापुर तथा श्री रमेश सिंह, मा0 विधायक शाहगंज अति विशिष्ट अतिथि के रूप उपस्थित रहेंगे। बास्केटबाल प्रतियोगिता का सफल संचालन जिला बास्केटबाल संघ, जौनपुर की देखरेख में अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक वैभव सिंह, राष्ट्रीय निर्णायक दिलीप कुमार, विभोर भृगुवंशी, मुकेश पाण्डेय, सोनेन्द्र श्रोवतिया एवं राज्य स्तर के धनन्जय सिंह, कुलदीप यादव व सैफ खान द्वारा किया जायेगा। महिला हैण्डबाल प्रतियोगिता का सफल संचालन जिला हैण्डबाल संघ, जौनपुर की देखरेख में योग्य निर्णायक सन्दीप राय, प्रेमप्रकाश सिंह, पंकज यादव, मोनित यादव, आकाश गुप्ता व संजय सिंह द्वारा किया जायेगा। प्रतियोगिता अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबाल संघ व अंतर्राष्ट्रीय हैण्डबाल संघ के द्वारा निर्धारित नियमों के आधार पर आयोजित की जायेगी। विवाद की स्थिति में निर्णायकों द्वारा लिया गया निर्णय अन्तिम माना जायेगा। इसके बावजूद यदि किसी टीम को किसी निर्णय पर आपत्ति होती है तो जिला खेल कार्यालय, जौनपुर द्वारा निर्धारित ज्यूरी आफ अपील के सामने अपना पक्ष रख सकेंगे।

राज्यस्तरीय पोस्टर/स्लोगन प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकते हैं युवा व दिव्यांग मतदाता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अनुज कुमार झा के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (वि. रा.) ध्उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में उनके कक्ष में मीटिंग हुई। जिसमें राज्य स्तरीय आनलाइन पोस्टरध्स्लोगन प्रतियोगिता के प्रचार प्रसार करने पर चर्चा हुई।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि युवा मतदाताओं को पंजीकरण हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग द्वारा सुनियोजित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) कार्यक्रम अन्तर्गत 18 से 20 वर्ष आयु वर्ग के युवा मतदाताओं एवं सभी दिव्याग मतदाता हेतु राज्य स्तरीय ऑनलाइन पोस्टरध्स्लोगन प्रतियोगिता प्रारम्भ की गई है।

आनलाइन पोस्टर स्लोगन प्रतियोगिता की थीम नैतिक मतदान, केवाईसी, सी–विजिल, वीएचए एवं सक्षम ऐप की उपयोगिता, मतदान क्यों तथा मतदान प्रतिशत बढ़ाना आदि विषयक आयोजित राज्य स्तरीय आनलाइन पोस्टरध्स्लोगन प्रतियोगिता में इच्छुक अर्ह वर्ग के मतदाता 8 जनवरी 2024 तक प्रतिभाग कर सकते हैं। पुरस्कार की घोषणा 20 जनवरी 2024 को की जायेगी। पुरस्कार हेतु ऐसे युवा व दिव्यांग मतदाता ही पात्र होंगे जिनका नाम 5 जनवरी 2024 को प्रकाशित अन्तिम मतदाता सूची में दर्ज होगा। प्रदेश स्तर पर विजेताओं को आगामी राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी 2024 के अवसर पर सम्मानित किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में निर्वाचन विभाग से सम्बन्धित किसी कर्मचारीध् अधिकारी एवं उनके परिवार के सदस्यों द्वारा प्रतिभाग नहीं किया जायेगा। आगे उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिता का लिंक तथा क्यू आर कोड मुख्य निर्वाचन अधिकारी के सोशल मीडिया हैण्डल्स फेसबुक, ट्वीटर व इंस्टाग्राम पर उपलब्ध है। पोस्टर डिजाइनिंग व स्लोगन राइटिंग हेतु लिंक निम्न हैं–

https://forms-gle/DUJIPXUAd2zzg75n9
https://forms-gle/tXBMveY48dTmVHpw6

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अपील किया है कि स्कूलध्कालेजों द्वारा छात्रोंध् छात्राओं की अधिकाधिक पात्र मतदाताओं द्वारा प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराना सुनश्चित कराये।

इस अवसर पर सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुर्वेदी, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, ईएलसी कोआर्डिनेटर रमेश चन्द्र यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता के जोनल लेवल, पंजाब में उत्तर प्रदेश की बालिकाओं ने लहराया परचम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पंजाब राज्य के मोहाली में आयोजित जोनल लेवल राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता में ब्रास बैंड बालिका वर्ग में उत्तर प्रदेश के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल कानपुर रोड, लखनऊ की टीम ने प्रथम स्थान व पाइप बैंड बालिका वर्ग में ठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय गाजियाबाद की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । दिनांक 8 नवंबर 2013 को सरस्वती कुंज, निराला नगर, लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता में ब्रास बैंड (बालक व बालिका वर्ग) और पाइप बैंड (बालक व बालिका वर्ग) से चार टीमों का चयन किया गया, जिसमें से तीन टीमों द्वारा दिनांक 12 व 14 दिसंबर 2023 को मोहाली, पंजाब राज्य में आयोजित जोनल लेवल राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता 2023–24 में प्रतिभाग किया गया । इस प्रतियोगिता में उत्तर क्षेत्र के 10 राज्य व केंद्र शासित प्रदेश– उत्तराखंड, दिल्ली (छब्ज), उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू व कश्मीर (न्ज), लद्दाख (न्ज) और चंडीगढ़ (न्ज) की टीमों द्वारा प्रतिभाग किया गया । विजेता टीम के लखनऊ स्टेशन पहुंचने पर उनका फूल माला और मिष्ठान के साथ स्वागत किया गया । शान्त्वना तिवारी, संयुक्त निदेशक, समग्र शिक्षा (माध्यमिक), उत्तर प्रदेश ने विजेता टीम और उनके बैंड प्रशिक्षक किशन व छैल बिहारी का उत्साह वर्धन किया और जनवरी में नई दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता 2023–24 के लिए शुभकामनाएं दी । विजेता टीम की आगवानी और स्वागत के लिए निधि पालीवाल कोऑर्डिनेटर, समग्र शिक्षा (मा०), नीलम पांडे इंचार्ज, सीएमएस, सुनील कुमार सिंह मुख्य बैंड प्रशिक्षक, बैंड प्रशिक्षक– हरिपथ, बालम सिंह बिष्ट व अवधेश तथा शिक्षिकाएं – भूमिका व प्रभप्रीत कौर उपस्थित रहे।

एसडीसी में शानदार रजत जयंती समारोह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महीने भर चलने वाले उत्सव के 20वें दिन, दिन की शुरुआत शॉर्ट पुट, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो और लंबी कूद जैसी एथलेटिक प्रतियोगिताओं के साथ हुई। यह इवेंट लड़के और लड़कियों दोनों के लिए था. विद्यार्थियों ने पूरे मनोयोग से भाग लिया। इनमें लड़कियों के शॉर्ट पुट में मेधा राय (कृष्णन) प्रथम, अनुकृति सिंह (रमन) दूसरे, तहरीम नाज (रमन) तीसरे स्थान पर रहीं। लड़कियों के डिस्कस थ्रो में निधि रानी (चावला) पहले, तहरीम नाज (रमन) दूसरे स्थान पर रहीं। मेधा राय (कृष्णन) तीसरे स्थान पर रहीं। भाला फेंक में तहरीम नाज (रमन) पहले, सुरभि (रमन) दूसरे, निधि रानी (चावला) तीसरे स्थान पर रहीं। लंबी कूद लड़कियों में तहरीम नाज (रमन) पहले, अनन्या (रमन) दूसरे स्थान , किंजल (कृष्णन) तीसरे स्थान पर रहीं।

लड़कों के शॉर्टपुट में डॉ. विशाल श्रीवास्तव (कृष्णन) प्रथम, साई समर्थ सिंह (रमन) दूसरे, राहुल प्रकाश (कृष्णन) तीसरे स्थान पर रहे। लड़कों के डिस्कस थ्रो में राहुल प्रकाश (कृष्णन) प्रथम, डॉ. आनंद मणि (चावला) दूसरे, गौरव मिश्रा (रमन) तीसरे स्थान पर रहे। लड़कों के भाला फेंक में अनिकेत कुमार (चावला) ने पहला स्थान, गौरव मिश्रा (रमन) ने दूसरा स्थान, डॉ. आनंद मणि (चावला) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

सरस्वती डेंटल कॉलेज और अस्पताल

उद्घाटन कर उत्सव जारी रखा के लिए सर्वाधिक प्रतीक्षित सांस्कृतिक कार्यक्रम

उत्सव का विषय इंडो–वेस्टर्न था। थीम के अनुसार शिक्षक और छात्र सभी तैयार थे। हमने दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की, उसके बाद सरस्वती वंदना हुई।

पहला कार्यक्रम ष्सोलो सॉन्गष् था. कार्यक्रम के जज डॉ. रजत माथुर, डॉ. सैंड्रा चंद्रा थे। विजेता थे– प्रथम स्वास्तिक हाजरा, द्वितीय रविशंकर सरदार, तृतीय अंतरीपा.

दूसरा कार्यक्रम ष्ग्रुप नृत्यष् था, इस कार्यक्रम के निर्णायक डॉ. स्मिता माथुर, डॉ. रागिनी टंडन थे। विजेता रहीं–प्रथम श्रुति सिंह और इवोलिना दत्ता, द्वितीय महिमा शर्मा और सोनालिका वैश्य, तृतीय निकिता और ऋचा अल्हावत।

तीसरा कार्यक्रम ष्लाइफ ऑफ एससीडीआईएएनएसष् शॉर्ट्स प्रतियोगिता थी। निर्णायक थे – डॉ. जीतेन्द्र अरोड़ा, डॉ. चेतन चंद्रा। विजेता रहे– प्रथम साइमा, द्वितीय निश्चय, तृतीय शिखर राजपूत.

अंतिम कार्यक्रम ष्नजाकत कव्वालीष् था जो एक समूह कार्यक्रम था। कार्यक्रम के निर्णायक डॉ. केएन दुबे, डॉ. प्रद्युम्न मिश्रा, डॉ. सीमा जबीन थे। विजेता थे– प्रथम टैगोर हाउसरू रविशंकर सरदार, गौरव चौधरी, मुस्कान श्रीवास्तव, प्रणामी, गरिमा,विधि, समीक्षा, अजय पालीवाल, इक्षाकु साकिया कश्यप, त्रिशांक। कृष्णन हाउस दूसरे स्थान पर रहारू डॉ. तुषार माथुर, डॉ. आकृति श्रीवास्तव, डॉ. प्रज्वल, डॉ. हर्ष तिवारी, डॉ. प्राशु, डॉ. अनुरान, अंत रिपा, संस्कृति, अभिराज, कान्हा। तीसरे स्थान पर रमन हाउस रहेरू स्वास्तिक हाजरा, गीति, जीनत, माह एके, ज्योत्सना, प्रशांसा, भारती, आयुष लाल. कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक प्रमुख डॉ. आशीष चौहान, कॉलेज कप्तान मानसी बिष्ट, साहित्यिक सचिव–महिमा जैन, देवांश सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। संयुक्त सचिव–हर्षिता अग्निहोत्री, कुलसुम फातिमा, सृष्टि दस, सुरिंदर.

अगले दिन और भी घटनाओं की प्रतीक्षा है।

अवध विवि के फार्मेसी संस्थान में आयोजित हुआ व्याख्यान

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग में रोजगार के अवसर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता फार्मा सेक्टर उत्तर प्रदेश के जोनल अधिकारी अमित कुमार पांडेय ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग में रोजगार की असीम संभावनाएं है। इस दिशा में विद्यार्थियों को प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उच्चतम फार्मा कंपनी में रोजगार प्राप्त करने के लि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा की जानकारी रखनी आवश्यक है। इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर प्रो0 शैलेंद्र कुमार, कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ0 अनिल कुमार एवं डॉ0 सिंधु सिंह तथा फार्मेसी विभाग के शिक्षक डॉ0 विमल कुमार, डॉ0 अजय कुमार, डॉ0 अंकुर श्रीवास्तव, डॉ0 विष्णु प्रसाद यादव, विनीत कुमार, कुनाल व दीपा यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया सेन्टर/प्रेस क्लब बनकर हुआ तैयार, २२ जनवरी २०२४ से होगी शुरुआत

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जनपद मुख्यालय अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर के पास अशर्फी भवन के पास अंतरराष्ट्रीय मीडिया सेन्टरध्प्रेस क्लब बनकर तैयार हो गया है। इसका निर्माण लोक निर्माण विभाग के प्रान्तीय खण्ड द्वारा किया गया था।

समग्र शिक्षा की मंडल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं टीएलएम प्रतियोगिता 22 दिसंबर को

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष होने वाली मंडल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं शिक्षक संवर्ग की टी एल एम प्रतोयोगिता 22 दिसंबर 2023 को 'ब्राइटलैंड स्कूल नन्दना सीतापुर रोड (निकट छठा मील) लखनऊ' में प्रातः 9 बजे से आयोजित होगी।

इस प्रदर्शनी में लखनऊ मंडल के छह जनपदों लखीमपुर खीरी,सीतापुर, उन्नाव,हरदोई, रायबरेली, लखनऊ, की जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी से चयनित छात्र– छात्राएं एवं शिक्षक–शिक्षिकाएं प्रतिभाग करेंगे।

संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक कार्यालय लखनऊ के मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि जेडी माध्यमिक डॉ0 प्रदीप कुमार ने मंडल के सभी छह जिला विद्यालय निरीक्षकों को अपने–अपने जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी से चयनित जूनियर और सीनियर संवर्ग के छात्र–छात्राओं व टी एल एम आधारित चयनित शिक्षकों को उपरोक्त प्रदर्शनी में ससमय प्रतिभाग के लिए निर्देश जारी किए हैं।

प्रदर्शनी का आयोजन सीतापुर रोड निकट छठा मील स्थित ब्राइटलैंड स्कूल नन्दना लखनऊ में 22 दिसंबर की प्रातः 9:00 बजे से किया जाएगा।

डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि जनपदों से आने वाले चयनितों के वैज्ञानिक मॉडलों और शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले टी एल एम आधारित शिक्षकों के मॉडलों के मूल्यांकन के लिए उच्च कोटि के वैज्ञानिकों को नियुक्त किया गया है। डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि मंडल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी व टीएलएम प्रतियोगिता से चयनित छात्र–छात्र व शिक्षक राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं टीएलएम प्रतियोगिता में प्रतिभा करेंगे तथा मंडल स्तर की इस प्रदर्शनी से चयनित छात्र छात्राओं और शिक्षकों को जेडी माध्यमिक द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

गोलीकांड में शहीद कारसेवकों को सेवा न्यास उत्थान फाउंडेशन ने दिए एक एक लाख का दान

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) दिल्ली–स्थित सेवा न्याय उत्थान फाउंडेशन ने 1990 में पुलिस फायरिंग में दुर्भाग्यपूर्ण रूप से अपनी जान गंवाने वाले कारसेवकों के परिवारों को प्रत्येक को 1 लाख रुपये की राशि दान की है।इस संस्था को संजीव नेवर और स्वाति गोयल शर्मा चलाते हैं।संजीव नेवर एक डेटा वैज्ञानिक, आईआईटी और आईआईएम के स्नातक और वेदज्ञ हैं, जबकि स्वाति गोयल शर्मा एक प्रसिद्ध पत्रकार और समाज सेविका हैं।इस सहायता राशि को राजेंद्र धारकर, रमेश पांडे और वासुदेव गुप्ता के परिवारों को दिया गया है। फाउंडेशन ने कोठारी बंधुओं की बहन से भी मुलाकात की, जिन्होंने 1990 में अपनी जान गंवाई थी, लेकिन उन्होंने किसी भी सहायता को स्वीकार करने से मना कर दिया।सेवा न्याय उत्थान फाउंडेशन, जो एक दिल्ली–आधारित एनजीओ है, हाशिये पर पड़े और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करती है। इसकी अन्य गतिविधियों में, यह पाकिस्तान से भारत आने वाले हिंदू शरणार्थी परिवारों की मदद करती है, जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण पलायन करते हैं। हाल ही में, इसके छह छात्रों का चयन आईआईटी बॉम्बे में होने वाले एक रोबोटिक्स चौम्पियनशिप के लिए हुआ, जो एशिया का सबसे बड़ा तकनीकी महोत्सव है।

खेलों से बढ़ता है बच्चो का आत्मविश्वास-महापौर

खेलकूद प्रतियोगिता से बच्चों में बढ़ता है सहयोगात्मक विकास-रोली सिंह

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) बेसिक शिक्षा परिषद की जनपदीय रैली का शुभारंभ डॉ भीमराव अंबेडकर राज्य विद्यालयी क्रीड़ा संस्थान स्पोर्ट्स स्टेडियम मकबरा पर अयोध्या के महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके किया, मुख्य अतिथि महापौर जिला पंचायत अध्यक्ष ,नगर विधायक का शिक्षक प्रतिनिधियों द्वारा माल्यार्पण करके स्वागत किया गया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय,वित्त लेखाधिकारी रविन्द्र कुमार सिंह,नोडल प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने महापौर ,जिला पंचायत अध्यक्ष और नगर विधायक को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि महापौर गिरीशपति त्रिपाठी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय ने मैदान पर गुब्बारे छोड़कर औपचारिक रूप से खेल प्रारंभ कराया,मुख्य अतिथि के सामने सरस्वती वंदना,स्वागत गीत के साथ 100ध्50 मीटर की दौड़ का खेल कराया गया।प्रतियोगिता शुभारंभ के अवसर पर महापौर गिरीशपति ने कहा कि खेलों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास की वृद्धि होती है और आपसी प्रतिस्पर्धाओं से बच्चों में अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है,खेल के माध्यम से बच्चे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं और यही बच्चे भविष्य में देश का नाम रोशन करेंगे।जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि बालक और बालिकाओं को खेलों के माध्यम से आगे बढ़ाने की जरूरत है ऐसी प्रतियोगिताओ से बच्चों में खेल भावना के साथ ही सामुदायिक और सहयोगात्मक भावना का भी विकास होता है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।